12 अप्रैल 2025
शनिवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

बोले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह... बंगाल को बांग्लादेश बनाने में जुटी हैं ममता बनर्जी

2

नीतीश को उखाड़ फेंकना है, बिहार में बदलाव की आंधी को कोई नहीं रोक सकता: प्रशांत

पटना में जनसुराज की सभा

- प्रशांत किशोर बोले- प्रशासन ने कई लाख लोगों को जनसभा में शामिल नहीं होने दिया, इसका नतीजा सरकार को भुगतना होगा
- बोले- मैं पांच लाख लोगों के साथ सभा करना चाहता था, लेकिन हजारों लोग जाम में फंसे रहे, मैं खुद दो घंटे से घूम रहा हूं

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को पटना के गांधी मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार प्रशासन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। रैली के दौरान उन्होंने पटना प्रशासन को 'निकम्मा' बताते हुए आरोप लगाया कि जानबूझकर रैली में आने वाले लाखों लोगों को रोका गया। प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं पांच लाख लोगों के साथ सभा करना चाहता था, लेकिन हजारों लोग अभी भी जाम में फंसे हैं। मैं खुद दो घंटे से घूम रहा हूं, लोग पैदल चलकर आ रहे हैं। मेरी वजह से जो कष्ट हुआ, उसके लिए माफी चाहता हूं। उन्होंने दावा किया कि प्रशासन ने कई लाख लोगों को सभा में शामिल नहीं होने दिया और इसका परिणाम सरकार को भुगतना पड़ेगा। सभा में प्रशांत किशोर ने बिहार में बदलाव की घोषणा करते हुए कहा, अब दस दिन के अंदर यात्रा शुरू करूंगा। आपके गांव-घर आऊंगा। बिहार में बदलाव की आंधी को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे छह महीने के लिए तैयार हो जाएं, नवंबर में जनता की सरकार बनाने का वादा किया।

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि बिहार में हर आदमी बदलाव चाहता है। एक नया राजनीतिक विकल्प चाहता है। जन सुराज का काम करने का तरीका दूसरे दलों से अलग है। हमारे कार्यकर्ता अनुशासित तरीके के आकर कार्यक्रम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि आम लोगों को तकलीफ ना हो। वहीं नीतीश कुमार को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार को यहां से उखाड़ कर फेंकना है। लालू नीतीश मोदी का राज चाहिए या जनता का राज चाहिए. जनता का राज चाहिए तो मेरे भाई छह महीने तक कमर कस लीजिए। नवंबर में जनता की सरकार बना कर देंगे।

10 दिन के अंदर शुरू करेंगे यात्रा, लोगों के गांव-घर जाएंगे

बड़ी संख्या में खाली रहीं कुर्सियां

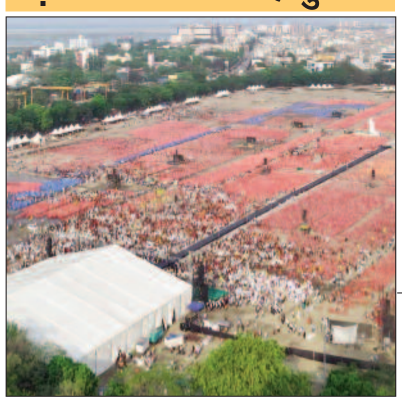

2015 में मैंने नीतीश की मदद नहीं की होती तो ये संन्यास लेकर बैठे होते

रैली के दौरान प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लेकर जनता से तीन बार पूछा, 'नीतीश कुमार को उखाड़ फेंकना है कि नहीं?' उन्होंने आगे कहा कि, 'अगर मोदी जी कहेंगे कि नीतीश को मत हटाओ, तो क्या मानोगे? लालू का जंगलराज नहीं चाहिए ना? तो फिर बिहार में जनता का राज चाहिए कि नहीं?'नीतीश कुमार पर तीखा तंज कसते हुए किशोर बोले, 'जो शादी कराता है, वही श्राद्ध भी कराता है। अगर 2015 में हम मदद नहीं करते, तो नीतीश आज संन्यास में होते। अब जन सुराज उनका राजनीतिक श्राद्ध करेगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि 'पिछली बार प्रशासन से केस को लेकर समझौता हुआ था, लेकिन इस बार फिर धोखा मिला। अब सबक सिखाना पड़ेगा। जैसे लालू का जंगलराज खत्म किया, वैसे नीतीश के अफसरों के जंगलराज को भी उखाड़ना होगा।

बेरोजगारी के खिलाफ सीएम हाउस घेरने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन, कन्हैया गिरफ्तार

- बैरीकेडिंग को फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनेन का किया गया इस्तेमाल

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बेरोजागरी के खिलाफ पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा निकाल रहे कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ-साथ यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभान और स्टेट प्रेसिडेंट गरीबदास समेत 50 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकताओं को भी हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि सीएम आवास का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकताओं को रोकने के लिए पहले पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन कांग्रेसी पीछे नहीं हटे रहे थे। इसके बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए कांग्रेसी कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने करीब 50 कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में

पटना डीएसपी (कानून व्यवस्था) कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि हमने पहले ही सभी से शांतिपूर्वक काम करने का आग्रह किया था, लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं थे। कांग्रेस कार्यकर्ता काफी आक्रामक हो गए थे। जिस कारण पानी की बौछारों का इस्तेमाल कर उन्हें हिरासत में लेना पड़ा। डीएसपी प्रसाद ने कहा पुलिस ने करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया है। इन लोगों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए हमने पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया है। इसलिए उन्हें हिरासत में भी लिया गया है।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मीडिया को बताया कि हम मुख्यमंत्री से मिलकर बिहार के युवाओं की समस्याओं से अवगत कराना चाहते थे, लेकिन पटना पुलिस थाने ले आई। अब दो ही विकल्प या तो हमें मुख्यमंत्री से मिलवाया जाए या फिर जेल भेज दिया जाए। जेल में भी हम अपनी आवाज उठाएंगे। कन्हैया कुमार ने कहा, हम गांधी के अनुयायी हैं। सत्य और अहिंसा में विश्वास करने वाले लोग हैं। सत्याग्रह के जरिए अपनी मांगें रखेंगे। मुख्यमंत्री से मिलने का हमारा उद्देश्य उन मुद्दों को साझा करना था, जो इस यात्रा के दौरान लोगों ने हमें बताया है। कन्हैया ने बताया कि बिहार में किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। मक्का के किसान परेशान हैं। अपनी फसल को वह मंडी में औने पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। मखाना किसानों को भी उचित मुआवजा नहीं मिलता। मक्के पर एमएसपी नहीं दी जा रही है।

इस दौरान कन्हैया कुमार ने कहा कि पुलिस मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कराए या फिर जेल ले जाए। कन्हैया ने कहा पुलिस को पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए, जो पानी कार्यकर्ताओं पर फेंकी गई उसे नल जल से लोगों के घरों तक पहुंचाते तो अच्छा होता। बता दें कि कांग्रेस कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झड़प के बाद पुलिस कांग्रेस कार्यकताओं को पकड़कर बस में थाने ली गई। लगातार कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस से उलझते रहे और हंगामा होता रहा। गौरतलब है कि कन्हैया कुमार अपनी यात्रा पलायन रोक, नौकरी दो लेकर पटना पहुंचे थे। इस यात्रा का समापन हो गया।

कन्हैया कुमार की पलायन रोको-नौकरी दो' यात्रा में हर दिन बड़े कांग्रेस नेता शामिल हुए। पिछले दिनों बेगूसराय में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहुंचे थे। पटना में सचिन पायलट इस पद यात्रा में शामिल हुए। बता दें कि गुरुवार को कन्हैया कुमार ने एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि पलायन रोको-नौकरी दो' यात्रा अपने तय कार्यक्रम के अनुसार पटना साहिब से चलेगी। उन्होंने बिहार को रोजगार और अधिकार के लिए लोगों से पटना में शामिल होने की अपील की थी।

प्रदेश व केंद्र की सरकारों ने करोड़ों युवाओं के अरमानों पर पानी फेरा: सचिन पायलट

पटना पहुंचे सचिन पायलट ने कहा कि पलायन रोको, नौकरी दो ये कांग्रेस पार्टी का एक नारा है। यात्रा की जरिए हम बिहार सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। जिस प्रकार उथल पुथल की राजनीति हो रही है, जिस प्रकार से प्रदेश में शासन चल रहा है, जनता ने खूब देख लिया। इस सरकार के प्रति जनता में जो बेरुखी है वह पूरी तरह से जगजाहिर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, एनएसयूआई समेत तमाम युवा कार्यकताओं ने सैंकड़ो किलोमीटर की यात्रा की है। केंद्र और राज्य सरकारें केवल घोषणाएं करती हैं और जुमला गढ़ती है। इन दोनों सरकारों ने सबसे ज्यादा युवाओं की अनदेखी की है। चाहे पेपर लीक हो, चाहे परीक्षा में धांधलीबाजी हो, चाहे नौकरी देने में धोखा दिया हो, प्रदेश और केंद्र की सरकारों ने लाखों करोड़ों युवाओं के अरमानों पर पानी फेर दिया है। हम ऐसे युवाओं को भरोसा दिलाने आए हैं कि राहुल गांधी उनके साथ खड़े हैं। सचिन पायलट ने आगे कहा कि मौजूदा सरकार केवल पाले बदलने का काम करती रही है। केंद्र ने जो वादे किए वो सभी झूठे साबित हुए।

सत्ता में आए तो महिलाओं को प्रतिमाह देंगे 2500 रु.: तेजस्वी

डुमरांव अनुमंडल के केसठ और चक्की पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल के केसठ और चक्की पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि अगर सत्ता में आते हैं, तो लाखों युवाओं को नौकरी दी जाएगी। बहन-मां योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए सीधे खाते में भेजे जाएंगे। वृद्धावस्था पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किया जाएगा। गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपए कर दी जाएगी। केसठ में तेजस्वी यादव राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव की मां सह पूर्व प्रधानाध्यापिका दिवंगत शांति देवी की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। उनकी प्रतिमा केसठ के कन्या प्राथमिक विद्यालय में स्थापित की गई, वहीं चक्की में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव स्थानीय विधायक शंभूनाथ के निजी प्रतिष्ठानों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। मौके पर पहुंचे तेजस्वी ने कहा कि बिहार की जनता अब परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि यह सरकार खटारा है, सिस्टम नकारा है, मुख्यमंत्री थका हारा है और जनता मारा मारा है। आज इसकी भुक्तभोगी बिहार की जनता हो चुकी है। इस सरकार की फजीहत यहां की जनता को झेलनी पड़ रही है।

परिवर्तन लाना जरूरी: पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि 15 साल से अधिक सरकार को हो गया। 15 साल से ज्यादा किसी गाड़ी को रोड पर चलने के लिए सरकार भी अनुमति नहीं देती। इसलिए कि वह गाड़ी पुरानी हो जाती है। धुंआ देने लगती है। कब बीच रास्ते में बंद हो जाए इसकी कोई गारंटी नहीं। इसलिए अब समय आया है कि बिहार का विकास तेज रफ्तार से हो। विकास की नई गाड़ी यहां के लोगों को मिले और परिवर्तन की यह क्रांति की लहर इस बात का प्रमाण है कि अबकी बार यहां परिवर्तन तय है। तेजस्वी ने कहा कि 20 साल तक एक ही फसल बोने पर जमीन भी बंजर हो जाती है। इसलिए बिहार के विकास को बंजर होने से बचाने के लिए यहां के लोगों को परिवर्तन लाने की तैयारी अभी से करनी होगी।

विधायक रीतलाल यादव के ठिकानों पर छापा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के दानापुर से आरजेडी के विधायक और लालू यादव के करीबी नेता रीतलाल यादव के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। बिहार पुलिस ने उनके घर पर छापा मारा है। दबंग छवि वाले नेता रीतलाल के घर पर कई थानों की पुलिस तैनात है। विधायक रीतलाल ने कहा कि कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रीतलाल यादव के खिलाफ यह एक्शन सिटी एसपी पश्चिमी आरएस सरथ और दानापुर एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई।

जानकारी के अनुसार एक बिल्डर द्वारा खगौल थाना में एक लिखित आवेदन दिया गया था। बिल्डर ने विधायक रीतलाल यादव तथा उनके सहयोगियों पर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। दानापुर एएसपी भानु प्रताप ने बताया कि विधायक रीतलाल यादव के घर छापेमारी में 10 लाख 50 हजार रुपये नकद, 77 लाख के चेक, 6 ब्लैंक चेक, 14 डीड और एग्रीमेंट बरामद हुए है।

वक्फ कानून के खिलाफ देश के कई शहरों में हुआ विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी/दिल्ली

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ शुक्रवार को देशभर के कई जगहों में विरोध प्रदर्शन किया गया। कोलकाता में छात्रों ने वक्फ अधिनियम के विरोध में रैली निकाली, तो कश्मीर में पीडीपी के मार्च को पुलिस ने रोका। महाराष्ट्र के मुंबई और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भी वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शुक्रवार की नमाज के बाद आसिफी मस्जिद में शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद के नेतृत्व में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के मदीना में जन्नतुल बाकी के पवित्र कब्रिस्तान को ध्वस्त करने का भी विरोध किया और मांग की कि इसे फिर से बनाया जाए।

वाराणसी में 3000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

पीएम मोदी बोले... छात्रा से रेप के सभी दोषियों पर सख्त एक्शन हो

एजेंसी/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सुबह 10.30 बजे पर वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर उतरते ही पीएम मोदी ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से छात्रा से गैंगरेप को लेकर सवाल-जवाब किए। मोदी ने कमिश्नर से घटना की जानकारी ली। कहा कि सभी दोषियों पर सख्त एक्शन हो। मोदी ने कहा-ऐसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए। कमिश्नर ने प्रधानमंत्री को बताया कि मामले में मुख्य आरोपी समेत 9 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। तीनों और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्य आरोपी का कैफे सील कर दिया है। बता दें कि वाराणसी में ग्रेजुएशन की छात्रा से 23 लड़कों ने 7 दिन तक गैंगरेप किया था। दरिंदे पीड़ित लड़की को नशीला पदार्थ खिलाकर कई होटलों में ले गए थे।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'काशी ने उज्जवल भविष्य बनाने की तरफ कदम रखे हैं। हमारी काशी अब पुरातन ही नहीं, प्रगतिशील में है। मैं काशी के प्रेम का कर्जदार हूं। अब काशी पूर्वांचल के आर्थिक केंद्रबिंदु में है। जिस काशी को स्वयं बाबा चलाते हैं वो पूर्वांचल की आर्थिक रस्सी को खींच रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज काशी में ढेर सारी परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है। कनेक्टिविटी को लेकर अनेक प्रोजक्ट, नल से जल का अभियान, शिक्षा, स्वास्थ्य और के सुविधाओं का विस्तार और हर क्षेत्र, परिवार और युवा को बेहतर सुविधाओं देना का संकल्प।

राज्य सरकार ने तिजोरी को खोलने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया

बेतिया राज के 200 करोड़ के खजाने का जल्द खुलेगा राज, सरकार तैयारी में जुटी

केटी न्यूज/पटना

बेतिया राज की अंतिम महारानी जानकी कुंवर की तिजोरी में 200 करोड़ रुपये से भी अधिक मूल्य के हीरे, सोने के आभूषण और ऐतिहासिक दस्तावेज मौजूद हैं। बिहार सरकार इस तिजोरी को खुलवाने की तैयारी कर रही है। प्रयागराज के भारतीय स्टेट बैंक की त्रिवेणी शाखा में बेतिया राज की महारानी जानकी कुंवर की एक तिजोरी रखी है। इस तिजोरी में 200 करोड़ रुपये से अधिक के हीरे और सोने के जेवरात होने की उम्मीद है। बिहार सरकार अब इस तिजोरी को खुलवाने की तैयारी कर रही है। इस तिजोरी को खोलने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया है।

तिजोरी खोलने के लिए बनी कमेटी: तिजोरी में ऐतिहासिक दस्तावेज और कीमती सामान भी हैं। जिला प्रशासन ने तिजोरी खोलने के लिए एक कमेटी भी बना दी है। उम्मीद है कि इसी अप्रैल में ही तिजोरी का ताला खोल दिया जाएगा। बेतिया राज की महारानी जानकी कुंवर की तिजोरी में कई रहस्य छिपे हैं। इस तिजोरी में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा के हीरे और सोने के जेवरात के साथ-साथ ऐतिहासिक दस्तावेज भी हैं। बिहार सरकार बेतिया राज के आखिरी राजा हरेंद्र किशोर सिंह और उनकी पत्नी जानकी कुंवर की संपत्ति को अपने कब्जे में लेने जा रही है। तिजोरी में रखे जेवरात को बिहार के संग्रहालय में रखा जाएगा। इसके लिए उनकी सभी संपत्तियों की खोजबीन की जा रही है। रानी जानकी कुंवर अपने अंतिम समय में प्रयागराज में ही रहीं। इसलिए उनकी एक तिजोरी एसबीआई की शाखा में रखी हुई है। तिजोरी में रखे जेवरात को बिहार के संग्रहालय में रखा जाएगा। आपको बता दे कि बेतिया राजघराने के आखिरी राजा हरेंद्र किशोर सिंह ने जानकी कुंवर से दूसरी शादी की थी। शादी के 22 दिन बाद ही 26 मार्च 1893 को उनका निधन हो गया। उनकी पहली पत्नी रतन कुंवर ने राजभार संभाला, लेकिन 24 मार्च 1896 को उनकी भी मृत्यु हो गई। इसके बाद दूसरी पत्नी जानकी ने साम्राज्य संभाला, लेकिन अंग्रेजों ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। जिसके बाद जानकी प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित महल में रहने लगीं। 24 नवंबर 1954 को इसी भवन में उनका निधन हो गया। जानकी कुंवर का जीवन भी काफी दिलचस्प रहा। राजा हरेंद्र किशोर सिंह ने उनसे दूसरी शादी की थी लेकिन दुर्भाग्यवश विवाह के मात्र 22 दिन बाद 26 मार्च 1893 को राजा का निधन हो गया। राजा की पहली पत्नी रतन कुंवर ने कुछ समय तक राजभार संभाला लेकिन उनका भी 24 मार्च 1896 को देहांत हो गया। इसके बाद जानकी कुंवर ने प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालनी चाही लेकिन अंग्रेजों द्वारा उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। तब वे प्रयागराज में जाकर रहने लगीं और वहीं 24 नवंबर 1954 को उनका निधन हुआ। अब जब यह तिजोरी खुलने जा रही है, तो यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। यह खजाना न केवल एक रानी की निजी धरोहर है, बल्कि बिहार और भारत के इतिहास की एक अनमोल विरासत भी है, जो अब दुनिया के सामने आने को तैयार है।

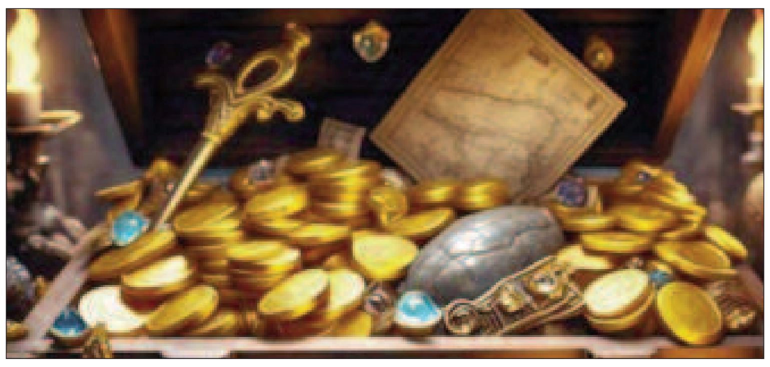

नवरत्न हार, चंद्रहार समेत हो सकते हैं ये गहना

इस तिजोरी में क्या-क्या हो सकता है, इसे लेकर कई ऐतिहासिक दस्तावेज सामने आए हैं। बेतिया राज के अभिलेखागारों में दर्ज रिकॉर्ड के अनुसार, 1939 में जानकी कुंवर के जीवनकाल में ही कई कीमती गहने और जवाहरात तत्कालीन राज प्रबंधकों ने इंपीरियल बैंक की इलाहाबाद और पटना शाखाओं में जमा करवा दिए थे। उसी कड़ी में प्रयागराज की एसबीआई शाखा में यह विशेष तिजोरी रखी गई थी। इसमें मोतियों की मालाएं, नवरत्न हार, स्वर्ण जड़ित पलंग, चंद्रहार और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं होने की संभावना जताई जा रही है। तिजोरी में मोतियों की माला, नवरत्न नेकलेस, स्वर्ण जड़ित पलंग, सोने का चंद्रहार है। बिहार राजस्व परिषद के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से तिजोरी को बाहर निकाला जाएगा। बेतिया राज के अभिलेखागार में मौजूद रिकॉर्ड बताते हैं कि महारानी जानकी कुंवर के जीवनकाल में ही 1939 में कई कीमती हीरे, मोती, सोने के आभूषण और अन्य जवाहरात तत्कालीन राज प्रबंधक ने इंपीरियल बैंक पटना और इंपीरियल बैंक इलाहाबाद की शाखाओं में सुरक्षित रखवा दिए थे। खबरों के मुताबित, इन आभूषणों और कीमती सामानों में मोतियों की माला, नवरत्न नेकलेस, स्वर्ण जड़ित पलंग, सोने का चंद्रहार आदि शामिल हैं।

शिक्षकों के वेतन को लेकर सरकार ने जारी किया आदेश

केटी न्यूज/पटना

शिक्षक जो मार्च समेत बकाया वेतन का इंतजार कर रहे राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। बता दें कि, राज्य में ऐसे करीब 32 हजार शिक्षक हैं, जिन्हें सक्षमता परीक्षा पास कर नियोजित से ह्यविशिष्ट शिक्षक का दर्जा तो मिला। लेकिन तीन महीने से वेतन के इंतजार में हैं। जिसको लेकर अब शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वेतन का इंतजार कर रहे सभी कोटि के शिक्षकों को अब एक हफ्ते के अंदर भुगतान किया जाए। बता दें कि, शिक्षा विभाग के उप सचिव अमित कुमार पुष्पक के हस्ताक्षर से जारी हुए आदेश में साफ कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत जिलों में कार्यरत सभी शिक्षक चाहे वे स्थायी हों या नियोजित उन्हें मार्च के वेतन के साथ उनके लंबित बकाया का भुगतान नियमानुसार किया जाए। पत्र में जिला शिक्षा पदाधिकारियों को यह भी आदेश दिया गया है कि भुगतान पूरा होने के बाद इसकी जानकारी विभाग को तत्काल भेजी जाए। राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक हैं जिन्हें लंबे समय से सैलरी नहीं मिली है तो वहीं कुछ ऐसे शिक्षक भी हैं जिनका प्रान नंबर अब तक जेनरेट नहीं हो सका है, जबकि कुछ का प्रान नंबर बन चुका है।

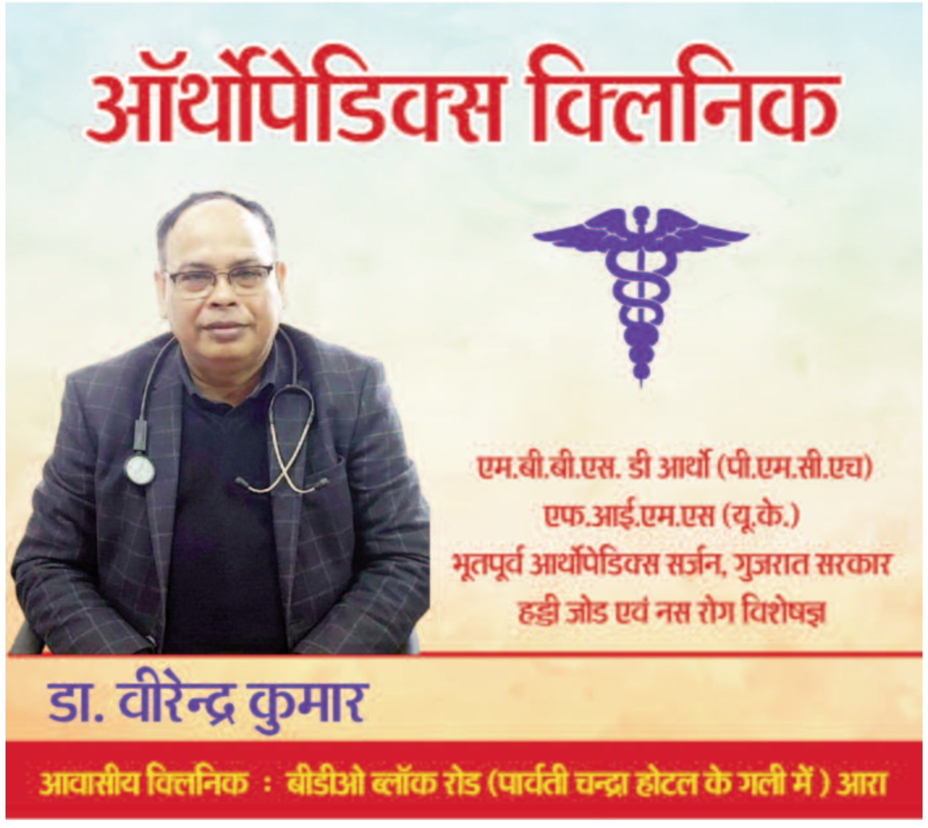

बोले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह... बंगाल को बांग्लादेश बनाने में जुटी हैं सीएम ममता बनर्जी

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर साधा निशाना। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस और ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के समय में घटना करने वाले आतंकवादी को नरेंद्र मोदी पकड़ कर ला रहे हैं। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने कहा कि संजय राऊत तहव्वुर राणा के भारत लाने पर भाजपा जश्न मनाने की बात कह रहे हैं, लेकिन बीजेपी जश्न नहीं मनाती। कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा हो या तसव्वुर राणा हो, जो भी आतंकवादी घटनाएं हुई वह कांग्रेस के समय में घटी थी। 26 नवंबर 2008 को कांग्रेस के कार्यकाल में हुई आतंकी घटना के बाद अब पीएम मोदी ने अमेरिका से ऐसे आतंकवादियों को लाने का काम किया। अब इससे पाकिस्तान के गुंडागर्दी, पल रहे आतंकवादियों के गिरोह से पर्दा उठेगा। पीएम मोदी का संकल्प है कि चाहे देश के अंदर उग्रवादी हो या आतंकवादी हो, उसकी समाप्ति होगी। देश के अंदर कहीं आतंकवाद की घटना नहीं हो रही है। पहले कभी तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, मुंबई में आतंकवादी हमले होते हैं। ढट नरेंद्र मोदी आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं। हमलोग देश के अमन चैन के लिए काम करते हैं। वहीं इस पर कांग्रेस नेता संजय राऊत पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि हमलोग देश के लिए काम करते हैं, देश के अमन चैन के लिए काम करते हैं।

ट्रेनी आईएएस अधिकारियों को किया गया जिला आवंटित

पटना। भारतीय प्रशासनिक सेवा के ग्यारह ट्रेनी अधिकारियों को जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। उन आईएएस अधिकारियों में विरूपाक्ष विक्रम सिंह, प्रिया रानी, कृष्ण जोशी, प्रेम कुमार,सैयद आदिल मोहसीन, अजय यादव, सूरज कुमार, विग्नेश टी. ए, जतिन कुमार, के परीक्षित और महेश कुमार शामिल हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह सभी 11 ट्रेनी आईएएस को सहायक समाहर्ता सह सहायक दंडाधिकारी के रूप में पोस्टिंग हुई है। मसूरी से प्रशासन अकादमी में प्रथम चरण के व्यवसायिक प्रशिक्षण सत्र की समाप्ति के बाद इनसब की पहली पोस्टिंग की जा रही है।

दानापुर डीआरएम दफ्तर में सीबीआई की छापेमारी से हड़कंप

पटना। सीबीआई की टीम ने दानापुर डीआरएम कार्यालय में छापेमारी की है। डीआरएम ऑफिस में छापेमारी से हड़कंप गया। इस दौरान टीम ने एक फर्जी रेल अधिकारी को अरेस्ट किया है। दरअसल, गिरफ्तार युवक खुद को रेलवे का अधिकारी बताकर लोगों से पैसे की उगाही करता था। रेलवे के टेंडर में लाभ पहुंचाने और नौकरी लगाने का झांसा देकर कई लोगों को अपना शिकार बना चुका था। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जांच में आरोप को सही पाया। जिसके बाद सीबीआई की टीम डीआरएम दफ्तर पहुंची और डीआरएम ऑफिस के कंट्रोल रूम से आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास से रेलवे का फर्जी पहचान पत्र सीबीआई ने बरामद किया है।

बिहार में जैविक खेती को मिलेगा नया आयाम, सरकार ने तैयार किया मास्टर प्लान : विजय सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

उप मुख्यमंत्री ने विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए कॉरिडोर आधारित परियोजना चलाई जा रही है। इसे राज्य के 13 जिले में लागू किया गया है । इसके तहत टिकाऊ खेती, मिट्टी की गुणवत्ता, जैविक उर्वरक के उपयोग और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर बल दिया गया है। किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिले इसके लिए हर साल जिला स्तर पर कम से कम 03 क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित करते हैं। इसी तरह पीएम मोदी की ठऊअ सरकार की बहुप्रशंसित नमामि गंगे योजना के अंतर्गत भी 12 जिले के 700 किसान समूहों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सिन्हा ने आगे कहा कि जैविक कोरिडोर योजना के तहत किसानों एवं किसान समूहों द्वारा जैविक खेती की जा रही है। इन सभी किसानों को प्रथम वर्ष का सी-1 प्रमाण-पत्र बिहार स्टेट सीड एण्ड ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी का निर्गत किया जा चुका है। इच्छुक व्यक्तिगत किसानों को जैविक खेती के प्रोत्साहन हेतु 11,500 रुपए प्रति एकड़ अनुदान का प्रावधान किया गया है। प्रति किसान को अधिकतम 2.5 एकड़ के लिए अनुदान दिया जाता है। विपणन और ब्रांडिंग, मिट्टी के नमूना की जांच, प्रमाणीकरण हेतु दस्तावेजीकरण, परिवहन, प्रशिक्षण, जैविक क्षेत्र में ई-कॉमर्स-स्टार्ट-अप इनोवेशन के लिए सहायता दी जाती है। सी-1 प्रमाण-पत्र प्राप्त सभी किसानों को द्वितीय वर्ष का सी-2 प्रमाण-पत्र निर्गत की प्रक्रिया चल रही है। कृषि विभाग के अंतर्गत कार्यरत बिहार स्टेट सीड एण्ड ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी द्वारा राज्य में किये जा रहे हैं। सिन्हा ने कहा कि इस बाबत कृषि विभाग ने जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु बिहार राज्य जैविक मिशन का गठन किया है। राज्य में बसोका के अधीन एक आदर्श जैविक प्रक्षेत्र की स्थापना फतुहा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में किया गया है। इस प्रक्षेत्र के अंतर्गत राज्य के किसान जैविक खेती के प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करेंगे।

नई पर्यटन नीति से बिहार के पर्यटन क्षेत्र में होगा बड़ा बदलाव, अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

पर्यटन को उद्योग का दर्जा, छोटे निवेशकों को मिलेगा मौका

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने राज्य में पर्यटन को उद्योग की तर्ज पर विकसित करने के लिए एक नई कवायद की है। इसको लेकर पर्यटन नीति-2023 में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य राज्य में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस नई पर्यटन नीति से बिहार के पर्यटन क्षेत्र में बड़ा बदलाव तो होगा ही, साथ ही इससे न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। राज्य के पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने बताया कि नई पर्यटन नीति के तहत अब सभी पर्यटन स्थलों की परियोजना लागत की सीमा को 10 करोड़ रुपये से घटाकर 7.5 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विगत 21 मार्च को राज्य सरकार ने एक संकल्प के जरिए राज्य के पर्यटन स्थलों में बनने वाले नए होटलों, रिजॉर्ट, हेरिटेज होटलों के विकास के लिए नई नीति बनाई है। राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों यथा पटना, गया, बोधगया, नालंदा, राजगीर, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में न्यूनतम चार सितारा होटलों के निर्माण की नीति जारी रहेगी। इसके लिए न्यूनतम परियोजना लागत दस करोड़ रुपये की होगी। इसमें भूमि लागत शामिल नहीं होगी। जबकि अन्य जिला मुख्यालयों व अन्य छोटे शहरों में न्यूनतम तीन व दो सितारा होटलों का निर्माण किया जा सकेगा। इसके लिए सरकार ने क्रमश 7.50 करोड़ और 5 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी दी है। बता दें कि पूर्व में राज्य भर में केवल चार सितारा होटलों में ही निवेश की अनिवार्यता थी, लेकिन अब तीन और दो सितारा होटलों में भी निवेश किया जा सकेगा। इसका सीधा लाभ छोटे और मध्यम श्रेणी के निवेशकों को होगा। इस मौके पर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर भी मौजद थे। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि इन होटलों में स्थानीय लोगों को रोजगार दिए जाने पर उनके भविष्य निधि खाते में सरकार हर महीने अधिकतम 3 हजार रुपये का अंशदान देगी। उन्होंने बताया कि सीतामढ़ी स्थित माता जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम का विकास अयोध्या की तर्ज पर किया जाएगा। यहां निवेशक 100 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

ब्लैकमेलिंग के आरोप में बक्सर के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता गिट्टू तिवारी समेत दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद तिवारी उर्फ गिट्टू तिवारी समेत एक अन्य युवक को नगर थाने की पुलिस ने फेसबुक पर एक युवक व युवती का अश्लील फोटो अपलोड कराने के बाद पैसे की उगाही के लिए ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शहर में चर्चा का विषय बन गई है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले एक लड़की के आईडी से एक युवक व युवती की अश्लील फोटो फेसबुक पर अपलोड करने के बाद उसके रिश्तेदारों से फोटो हटाने के लिए पहले 90 हजार रुपए की डिमांड की गई थी, बाद में मामला 28 हजार पर तय हुआ। इस दौरान पीड़ित

- फेसबुक पर अपलोड तस्वीर हटाने के लिए एक लड़की के आईडी से हुई थी 90 हजार रुपये की डिमांड
- पैसा देने के दौरान दोनों को पकड़ किया पुलिस के हवाले

लड़की द्वारा भेजे गए किसी आदर्श उपाध्याय के यूपीआई आईडी पर 100 रुपए भेज भी दिया था। इसके बाद शेष राशि नगद देने की बात हुई तथा पैसा लेकर मुनीब चौक के पास स्थित मेंहदी वस्त्रालय के पास बुलाया गया। जहां पीड़ित अपने स्वजनों के साथ पैसा लेकर पहुंचा था तथा जैसे ही पैसा लेने के लिए चरित्रवन निवासी संजय उपाध्याय नामक युवक पहुंचा कि लोगों ने उसे पैसा देने के साथ ही धर दबोचा, इस दौरान पीछे से गिट्टू तिवारी भी पहुंच गया। लोगों ने दोनों को पकड़ नगर थाना पहुंचाया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, अब इस मामले में उक्त लड़की की तलाश हो रही है जिसके आईडी से पैसे की डिमांड की गई थी। जानकारों का कहना है कि पकड़े जाने के टाइम तक गिट्टू उक्त युवती के संपर्क में था।

पुलिस को सौंपा चैटिंग डिटेल्स: पुलिस को दिए आवेदन में नगर के बंगाली टोला निवासी मो. अफताब ने जिक्र किया है कि एक गुरूवार को मेरी पत्नी के फेसबुक पर एक लड़की का फ्रेंड रिक्वेस्ट आया था, जिसे मैने एक्सेप्ट कर लिया था। इसके बाद मेरे भांजा व उसके मंगेतर की अश्लील फोटो फेसबुक पर अपलोड कर उक्त युवती के आईडी से चैटिंग कर मेरे परिवार को गाली दी गई तथा फोटो हटाने के लिए पैसे की डिमांड की गई। सामाजिक लाज की डर तथा शादी को देखते हुए हमलोग पैसा देने को तैयार हो गए। चैटिंग के दौरान ही यह बताया गया कि पैसा लेने के लिए हमारा आदमी मुनीब चौक स्थित मेंहदी वस्त्रालय के पास जा रहा है। जिसके बाद हमलोगों ने उसे पैसा देने के दौरान पकड़ लिया तथा दोनों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। अफताब ने पुलिस को मैसेजर पर हुए चैटिंग की डिटेल्स भी दी है।

बता दें कि गिट्टू तिवारी बक्सर का चर्चित सामाजिक चेहरा है। उसकी पहचान तेज तर्रार छात्र नेताओं में होती है तथा वह सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भागीदारी निभाता रहा है। वहीं, ब्लैकमेलिंग मामले में उसकी गिरफ्तारी से कई सवाल खड़े हो रहे है। उसके दोहरे चरित्र के उजागर होने के बाद कई लोग आश्चर्यचकित है।

इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि फिलहाल दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इस गिरोह में एक युवती समेत अन्य कई लोगों के शामिल होने की संभावना है। जिन्हें चिन्हित कर गिरफ्तार किया जायेगा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस पूरे गिरोह को रडार पर ले लिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष ने केसठ में शांति देवी की प्रतिमा का किया अनावरण, जनता से मांगा एक मौका

सरकार खटारा गाड़ी की तरह, अब इसे बदलने का समय आ गया: तेजस्वी यादव

- कहा- सत्ता में आने पर लाखों युवाओं को नौकरी दी जाएगी

केटी न्यूज/केसठ

बिहार सरकार खटारा हो गई है। अब इसे बदलने का समय आ गया है। बिहार में 15 वर्षों में गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन भी फेल हो जाता है, फिर सरकार अबतक कैसे चल रही है। उक्त बातें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को केसठ में कही। मौका था केसठ बस पड़ाव स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित पूर्व शिक्षिका स्व. शांति देवी की 8वीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा अनावरण का। इसके पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

तेजस्वी ने एनडीए पर हमला करते हुए कहा कि यदि महंगाई, बेरोजगारी व पलायन चाहिए, तो भाजपा को वोट दें। भाजपा केवल वादे करती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद भूल जाती है। तेजस्वी ने अपने 17 महीने के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किए गए वादों को जमीन पर उतारा। उन्होंने जनता से अपील की कि इस बार उन्हें एक मौका और दिया जाए।

उन्होंने वादा किया कि अगर सत्ता में आते हैं, तो लाखों युवाओं को नौकरी दी जाएगी। 'बहन-मां योजना' के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए सीधे खाते में भेजे जाएंगे। वृद्धावस्था पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किया जाएगा। गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपए कर दी जाएगी। सीएम नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि चाचाजी अब अचेतावस्था में हैं। उनकी सरकार अब खटारा गाड़ी जैसी हो चुकी है। अब बिहार को तेज और नए नेतृत्व की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिप अध्यक्ष अरविंद यादव उर्फ गामा पहलवान ने व संचालन राजद के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार उर्फ पप्पू यादव, विनोद मास्टर और मुख्तार यादव ने संयुक्त रूप से किया।

चांदी का मुकुट पहना किया गया सम्मानित

पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और पप्पू यादव द्वारा तेजस्वी यादव को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांसद सुधाकर सिंह, डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुशवाहा, पूर्व एमएलसी लालदास राय, राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, अजय कुमार विक्रांत, मुकेश कुमार, मुन्ना यादव, श्रीकांत यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष डॉ. विद्या भारती, जिला परिषद सदस्य पूजा कुमारी, संतोष भारती, शारदा यादव, लालू यादव सहित कई अन्य राजद नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जबकि हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

खुद को बताया सीएम पद का उम्मीदवार : तेजस्वी यादव ने सभा को संबोधित करते हुए खुद को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बताते हुए कहा कि एक बार आप अपने इस बेटे को मुख्यमंत्री बना दें, तो वह आपकी गरीबी मिटा देगा। आपको पक्के मकान मुहैया कराये जाएंगे। इस अभियान को पूरा करने के लिए मुझे आपके समर्थन और प्यार की जरूरत है। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार रहे तेजस्वी यादव ने दशकों पहले अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली सरकार तथा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के बीच अंतर को भी रेखांकित किया। नीतीश कुमार पर उन्होंने गरीबों के प्रति उदासीन और बैर-भाव रखने का आरोप लगाया।

तेजस्वी को एक झलक पाने के लिए युवाओं में दिखा काफी उत्साह : कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एक झलक पाने के लिए युवाओं में काफी उत्साह दिखा। जैसे ही वह अपने काफिले के साथ कार्यक्रम में पहुंचे युवा वर्ग ने जयकारा लगाकर उनका स्वागत किया युवाओं ने कहा कि नेता ही नहीं बल्कि हमारे आइकॉन है। वहीं महिलाएं भी कुछ कम नहीं थी, उनका स्वागत फूल माला से खूब किया। कार्यक्रम के पश्चात क्षेत्र में खेलकूद और दसवीं बारहवीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ साथ ग्रेपलिंग में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाली सौम्या तिवारी को भी सम्मानित किया गया।

कृष्णाब्रह्म में सात लाख की शराब लदी लग्जरी कार जब्त तस्कर फरार, नेटवर्क की शिनाख्त कर रही है पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाने की पुलिस ने शुक्रवार की सुबह गुप्त सूचना पर शराब लदी एक कार को जब्त किया है, हालांकि पुलिस को पीछा करता देख तस्कर सड़क किनारे कार खड़ी कर भागने में सफल रहे। कार को जब्त कर पुलिस ने जब थाना पर लाकर पड़ताल की तो उसमें कुल 398.52 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। जिसका अनुमानित मूल्य लगभग सात लाख रूपए आंका गया है।

डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कृष्णाब्रह्म थाने में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि सुबह करीब पौने चार बजे उन्हें सूचना मिली कि हरियाणा नंबर की एक कार से शराब की खेप आने वाली है। इस सूचना पर तत्काल कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार को अलर्ट कर वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद कृष्णाब्रह्म थाने की पुलिस एनएच-922 पर वाहन चेकिंग अभियान करने पहुंची। इस दौरान काले रंग की सीसा वाली एक सफेद कार को चालक चौकियां गांव के पास एनएच 922 के किनारे स्थित विकास ढाबा के सामने अपनी कार खड़ी कर भाग गया। पीछा करते पहुंची पुलिस टीम ने जब उक्त कार की पड़ताल की तो उसमें शराब की पेटियां मिली। जिसके बाद पुलिस टीम कार को जब्त कर थाने लाई। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस से भागने के दौरान कार का दो पहिया भी ब्लास्ट कर गया था, बावजूद तस्कर भाग निकलने में सफल रहे। एसडीपीओ ने कहा कि शराब तस्करों के पूरे नेटवर्क को खंगालने का प्रयास किया जा रहा है।

2025 विधानसभा चुनाव में रवि उज्ज्वल के साथ कुशवाहा समाज

डुमरांव। शुक्रवार को नुआंव पंचायत के निजी सभागार में कुशवाहा समाज की बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के पूर्व डुमरांव विधानसभा प्रभारी रवि उज्ज्वल कुशवाहा उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता सम्राट अशोक कल्ब के जिलाध्यक्ष पप्पु कुशवाहा ने व संचालन कुशवाहा महासभा के जिला उपाध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारे समाज के लोगों के विकास के लिये एकजुटता बहुत ही जरूरी है। सत्ता में भागीदारी हो या चुनाव जितना हो, इसके लिये भी एकजुटता जरूरी है। जब हम एक जुट रहेंगे तो हमारी बातें भी मानी जाएगी और सत्ता में भागीदारी भी मिलेगी। विधान सभा का चुनाव इसी साल होने वाला है, ऐसे में राजनीतिक पार्टियां हमें तोड़ने का प्रयास करेंगी, इससे संभल कर रहना है। बुद्ध शांति का संदेश देते हैं तो सम्राट अशोक अपने हक के लिये युद्ध लड़ने का देते हैं। वहीं, कुशवाहा समाज के जिलाध्यक्ष पप्पु ने कहा कि बिहार विधान सभा का चुनाव होने वाला है, राजनीतिक पार्टियों के नेता अभी से डोरे डालना शुरू कर दिये हैं। बैठक में उपस्थित वशिष्ठ सिंह कुशवाहा, बबन महतो, गौतम मौर्या, तेज नारायण मौर्या, विनय सिंह, सिपाही सिंह, अमन महतो, गुरूदेव प्रसाद, राम बचन सिंह, कमलबास सिंह, देव गोविन्द सिंह व अन्य मौजूद थे।

सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने की जरूरत : जितेंद्र दुबे

केटी न्यूज/सिमरी

भारतीय जनता पार्टी सिमरी मंडल द्वारा केशवपुर शक्ति केंद्र के मानिकपुर गांव में मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी की अध्यक्षता में सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन में सक्रिय सदस्यों में विशेष सक्रियता लाने की जरूरत पर चर्चा की गई। मंडल प्रभारी विनोद तिवारी उर्फ भुटेली तिवारी ने पार्टी के आगामी कार्यक्रम को सदस्यों के बीच रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला प्रवक्ता जितेंद्र दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक लाल, जिला प्रवक्ता अनु तिवारी, युवा नेता दिनेश राय, बसंत राय, श्रीमन नारायण राय आदि ने कहा कि अब बिहार विधानसभा का चुनाव नजदीक आ गया है। ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने की जरूरत हैं। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही इस बार बिहार में एनडीए को सवा दो सौ के पार पहुंचाना है। मौके पर गणेश सिंह, अजीत सिंह, नागेंद्र यादव, धीरज राय, बीरेंद्र राय, अनिरुद्ध राय, रामनारायण राय, मनबोध राय, राहुल राय समेत कई अन्य सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे।

मीटर रिचार्ज नहीं होने के कारण चौसा के बहादुरपुर में 15 दिनों से ठप है जलापूर्ति

केटी न्यूज/चौसा

पानी टंकी के मीटर का रिचार्ज नहीं होने से पिछले 15 दिनों से पवनी पंचायत के वार्ड 12 स्थित बहादुरपुर में लगे मुख्यमंत्री नल-जल योजना की टंकी से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। जिससे यहा के लाभान्वित होने वाले 300 घरों में पेयजल को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है। ग्रामीणों द्वारा इसको लेकर प्रतिदिन विभाग व ठेकेदार को सूचना दी जाती है। लेकिन, विभाग द्वारा टाल मटोल किया जा रहा है। जिससे इस पानी टंकी से जुड़े उपभोक्ताओं के बीच पेयजल की समस्या गंभीर हो गई है।

बताया जाता है कि पेयजल आपूर्ति के लिए सारे पार्ट्स ठीक है। लेकिन, स्मार्ट मीटर रिचार्ज न होने से विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिससे मोटर बन्द पड़ा हुआ है। बीडीसी बबन यादव, ग्रामीण ईश्वर प्रसाद, कृष्णा प्रसाद, जयराम, मनोज सिंह, रुस्तम, रामशंकर यादव, रवि प्रसाद, रामजी पासी आदि ने बताया

नल चालक (आपरेटर) ने बताया कि मीटर रिचार्ज न होने से विद्युत आपूर्ति बंद है। जहां, पेयजल आपूर्ति ठप होने से इस मुहल्ले के लोग दूसरे आसपास घरों से लोग पानी की प्यास बुझा रहे है। जबकि, प्रतिदिन ठेकेदार को सूचना दी जा रही है। वह, आज-कल कह मीटर रिचार्ज नही कर रहे है। जबकि, इसकी सूचना विभाग के कनीय अभियंता को भी दी जा रही है। जिनके द्वारा ठेकेदार को रिचार्ज कराने को कहकर ग्रामीणों को आश्वासन दिया जा रहा है। प्रतिदिन के आश्वासन से ग्रामीण अब उबने लगे है। वही, उनमें आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है।

बक्सर में जारी है परम पूज्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज की कथा, बोले...

संसार का सबसे बड़ा धन है मां-बाप का आशीर्वाद

- सौभाग्य से मिलता है संतों का दर्शन व भगवत कथा श्रवण का लाभ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में आयोजित परम पूज्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने शुक्रवार को कथा के दौरान कहा कि मानव जीवन में संतों का दर्शन और भगवान की कथा का श्रवण सबसे दुर्लभ और महान कृपा है। यह केवल भाग्यशाली लोगों को ही प्राप्त होता है। संसार में धन, पद और प्रतिष्ठा का होना कोई विशेष बात नहीं है, क्योंकि ये सब नश्वर हैं। वास्तव में महत्वपूर्ण है धर्म के मार्ग पर चलना, अपने कर्तव्यों का पालन करना और जीवन को आध्यात्मिक दिशा में मोड़ना।

प्रवचन के दौरान ठाकुरजी महाराज ने कहा कि रावण जैसे विद्वान, जिसे समस्त वेदों का ज्ञान था, उसका पतन इसलिए हुआ क्योंकि उसने धर्म का पालन नहीं किया। ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य होने के बावजूद, जब जीवन में धर्म का अभाव होता है तो विनाश निश्चित है। इससे हमें यह सीख लेनी चाहिए कि केवल बुद्धिमत्ता या शिक्षा से कुछ नहीं होता, जब तक उसका उपयोग सही दिशा में न किया जाए।

उन्होंने कहा कि आज के बच्चा अपने माता-पिता का आदर नहीं करता। जब बच्चे पढ़-लिख जाते हैं, आत्मनिर्भर बनते हैं, तब वे अपने जीवनदाताओं का ही तिरस्कार करने लगते हैं। ऐसी शिक्षा का क्या लाभ, जो हमें अपने मां-बाप का सम्मान करना न सिखाए। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नहीं, केवल सूचनाओं का भंडार है। सच्ची शिक्षा वही है, जो संस्कार दे, चरित्र निर्माण करें और परिवार, संस्कृति व समाज से जोड़ कर रखे।

संसार का सबसे बड़ा धन कोई भौतिक वस्तु नहीं, बल्कि मां-बाप का आशीर्वाद है। उनके स्नेह और आशीर्वाद में वह शक्ति है जो जीवन की सबसे कठिन राहों को भी आसान बना सकता है। माता-पिता का सम्मान और सेवा करना ही जीवन की सच्ची उपलब्धि है।

जो लोग भारत की संस्कृति, भाषा और परंपरा को नहीं मानते, उनके विचारों की हमें आवश्यकता नहीं है। हमें गर्व होना चाहिए अपनी जड़ों पर, अपनी मातृभाषा पर और उस धर्म पर जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना से सबको जोड़ता है।

डुमरांव में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ काली पट्टी बांधकर अता की जुम्मे की नमाज

मुसलमानों की धार्मिक, शैक्षणिक व सामाजिक धरोहर है वक्फ की संपत्ति: इमाम मो. समीरुद्दीन

♦ नमाजियों ने संशोधित कानून को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए सरकार से की इसे रद्द करने की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के शहीद मजार रोड स्थित मस्जिद में शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के दौरान नमाजियों ने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। इस विरोध का तरीका शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावशाली रहा। नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की और संशोधित कानून को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए इसे तुरंत रद्द करने की मांग की।

नमाज के बाद नमाजियों ने मजार परिसर में एकत्र होकर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियां मुसलमानों की धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक धरोहर हैं, जिनकी हिफाजत का जिम्मा वक्फ बोर्ड पर होता है। लेकिन केंद्र द्वारा लाया गया वक्फ संशोधन बिल इन संपत्तियों पर हस्तक्षेप की कोशिश है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा लाया गया कानून संविधान द्वारा दिए गए अल्पसंख्यकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन कर सरकार वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण करना चाहती है, जिससे न केवल समुदाय की आत्मनिर्भरता प्रभावित होगी, बल्कि सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भी बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार अल्पसंख्यकों की संपत्तियों की रक्षा करने के लिए वाकई गंभीर है, तो फिर ऐसा कानून लाने की क्या आवश्यकता पड़ी, जिससे उनके मौलिक अधिकारों का हनन हो स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि वे किसी भी सूरत में इस संशोधन को स्वीकार नहीं करेंगे और संविधान के दायरे में रहकर इसका विरोध करते रहेंगे। प्रदर्शन में कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय बुद्धिजीवियों ने भी भाग लिया और इसे अल्पसंख्यक विरोधी नीति बताया। विरोध के अंत में सभी ने एक स्वर में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से अपील की कि इस विवादास्पद संशोधन बिल को रद्द किया जाए और अल्पसंख्यक समुदाय के हितों की रक्षा की जाए। शांतिपूर्ण तरीके से दर्ज कराया गया यह विरोध इलाके में चर्चा का विषय बना रहा। मस्जिद के इमाम मो. समीरुद्दीन ने बताया कि यह विरोध एक उदाहरण है कि लोकतंत्र में लोग अपने अधिकारों के लिए कैसे एकजुट होकर आवाज उठा सकते हैं। इस मौके पर मो इमामुद्दीन अंसारी, अब्दुल अलीम, अब्दुल कयूम अंसारी, आफताब आलम, मुस्ताक, मास्टर, डॉ रुस्तम अंसारी, शकील अंसारी, अमजद अंसारी, अजीम खान, आबिद अंसारी सहित अन्य कई मौजूद रहे।

मुस्लिमों की धार्मिक आजादी पर हमला बर्दाश्त नहीं : भाकपा माले

♦ वक्फ संशोधन कानून को वापस लेने की मांग करते हुए शहर में निकाला आक्रोश मार्च

डुमरांव। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भाकपा माले और इंसाफ मंच ने डुमरांव में प्रदर्शन मार्च निकाला। गुरुवार को राज्य स्तरीय आह्वान पर आयोजित यह मार्च डुमरांव के महरौरा मोड़ से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शहीद गेट पर पहुंच सभा में तब्दील हो गया। मौके पर भाकपा माले केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह बक्सर जिला सचिव नवीन कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून संविधान पर खुला हमला है। इनका कहना है कि संशोधित कानून मुस्लिम समाज के धार्मिक आजादी पर हमला है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नीतीश कुमार की जेडीयू, चिराग पासवान की एलजेपी (आर) और जीतनराम मांझी की हम ने वक्फ कानून का समर्थन कर देश के गंगा जमुनी तहजीब को नष्ट किया है। आगामी चुनाव में जनता सबक सिखाने का काम करेगी।

सभा को संबोधित करते हुए माले नेताओं ने कहा कि हम संविधान बचाने निकले हैं, आओ हमारे साथ चले, सांप्रदायिक व संविधान विरोधी वक्फ संशोधित कानून वापस लो, संविधान पर हमला नहीं चलेगा, मुस्लिम समाज के धार्मिक आजादी पर हमला नहीं सहेगें, फासिस्ट भाजपा हो बर्बाद, मुस्लिमो पर हमला नहीं सहेगें, गरीबों पर हमला नहीं सहेगें, आदिवासियों पर हमला नहीं सहेगें, मुस्लिम तो बहाना है दलित इसाई पर निशाना है, सहित अन्य नारों के साथ विरोध जताया गया। वक्ताओं ने कहा कि वक्फ संशोधित कानून मुस्लिम समाज का सिर्फ सवाल नहीं लोकतांत्रिक सवाल है, एक तरफ कंपनी राज में दशकों से बसें लोगों को उजाड़ने के लिए कानून बन रहे हैं तो दूसरी तरफ मुस्लिम समाज के वक्फ की जमीन को हड़पने के लिए यह संशोधित कानून लेकर केन्द्र सरकार लायी है। वक्ता धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा कि जिला वक्फ संशोधित कानून बीजेपी को अगर नीतीश- चिराग- मांझी का साथ न मिला होता तो मोदी सरकार के लिए बिल को पास कराना आसान नहीं था। सभा को माले के जाबिर कुरैशी, बाबूलाल राम और मोहम्मद समीर ने भी संबोधित किया। इस मौके पर इंसाफ मंच के जिला सचिव जाबिर कुरैशी, जिला अध्यक्ष महफूज, अंबेडकर विचार मंच के बाबूलाल राम, इनौस नेता प्रभात, शैलेन्द्र पासवान, अनिल राय, माले नेता सुरेश यादव, ओम प्रकाश पाल, मो. समीर, नासिर हुसैन, रिंकू कुरैशी, मंसफ सहित कई युवा शामिल थे।

एक नजर

पुराना भोजपुर में धूमधाम से मनायी गई ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती

डुमरांव। नगर के विस्तारित क्षेत्र पुराना भोजपुर में माली मालाकार समिति की तरफ से ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस मौके पर समाज के लोगों ने उनके तैल्य चित्र पर माल्यापर्णकर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एस के सैनी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में एकजुटता पर जोर दिया। उन्हें ने साफ लहजे में कहा कि हमको सत्ता में भागादारी निभाने के लिये अपनी ताकत को दिखाना होगा और यह तभी संभव है जब हम एकजुट रहेंगे। जिले में हमारे समाज का वोट बैंक कम नहीं है, इसका उपयोग दूसरे लोग सब्जबाग दिखाकर करते हैं। हमें जागरूक होकर लोकसभा और विधान सभा के लिये अपने उम्मीदवार को सामने लाकर खड़ा करना होगा और खुलकर उसके समर्थन में आगे आना होगा। इस दौरान जय फूले के नाम का जमकर जयकारा लगाया गया। वहीं मालाकार समिति के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार ने कहा कि समाज के लोगों को राजनीतिक पार्टियां बरगला कर उपयोग किया है। जिले में समाज के लोगों को अब सोना नहीं जगना होगा और अपनी लड़ाई को तेज करते हुए अपनी पहचान बनानी होगी। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरूण कुमार, सचिव मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद सोनी, शंकर मालाकार, मानिकचंद्र प्रसाद, लालबाबू मालाकार, बिनोद सैनी, अतूल, अजय, अक्षय, अमूतांशु, सनी, कौशल, अजीत, पियूष, वकील सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मां काली मंदिर का मनाया गया स्थापना दिवस

केसठ। प्रखंड के रघुनाथपुर गांव स्थित काली मंदिर के परिसर में हर साल की भांति इस वर्ष भी तेरहवां स्थापना दिवस समारोह ग्रामीणों के तत्वावधान में शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान 24 घंटे अखंड हरि कीर्तन भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। अखंड हरि कीर्तन का समापन वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन पूजन , आरती व भव्य भंडारे के साथ हुआ। ग्रामीण टुनटुन दुबे एवं भुलन दुबे ने बताया कि चौत्र पुर्णिमा के दिन हर साल मां काली का वर्षगांठ मनाया जाता है। पूजन का कार्य वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि विधान से किया गया।

बच्चियों को पढ़ाई व प्रतिभा निखारने में महत्वपूर्ण है केजीबीवी

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड के जासो में स्थित कस्तुरबा आवासीय विद्यालय में नये सत्र के लिए नामांकन प्रारंभ हो गया है। शुक्रवार को इस विद्यालय में 15 बच्चियों का नामांकन कराया गया। इस दौरान एक समारोह आयोजित किया गया था।

जिसे सबोधित करते हुए भाजपा नेत्री वर्षा पांडेय ने कहा कि एक समय था जब बच्चियों को घर की चाहरदीवारी से बाहर नहीं निकलने दिया जाता था। सामाजिक बंदिशों के कारण उनकी पढ़ाई छूट जाती थी, लेकिन अब समय बदला है। सामाजिक सोंच में बदलाव के साथ ही सरकारी योजनाएं भी बच्चिों को पढ़ाने में काफी कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कस्तुरबा आवासीय विद्यालय अतिपिछड़ा व अनुसूचित तबके की बच्चियों को प्रारंभिक शिक्षा देने में मिल का पत्थर साबित हुआ है। अब तक यह विद्यालय अपने उदेश्यों सफल रहा है।

इस क्रम में भाजपा नेत्री वर्षा पांडेय ने कहा कि समाज के वंचित लोगों को आगे बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान वार्डन ज्योति मिश्रा ने कहा कि कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। यह कोशिश रहती है कि उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखारा जा सकें। इस दौरान कक्षा आठ की परीक्षा पास कर चुकी छात्राओं को विदाई दी गई। साथ ही नए कक्षा छह में 15 बच्चियों को नामांकन भी हुआ। मौके पर शिक्षिका खुशबु कुमारी, सुजाता कुमारी लेखपाल दीपक कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

श्रीराम जानकी मंदिर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

केसठ। प्रखंड के दंगौली गांव स्थित श्रीराम जानकी मंदिर का 72 वां तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम व्यवस्थापक राम किंकर सिंह उर्फ भिखारी सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चारण एवं हवन पूजन के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन कथा के दौरान कथा वाचक शैलेश जी महाराज ने कहा कि कई जन्मों के अच्छे कर्मों के कारण मनुष्य का शरीर मिलता है। कार्यक्रम से तीन दिनों तक पूरा क्षेत्र पूजनोत्सव ,भजन कीर्तन एवं आरती से भक्ति के सागर में सराबोर रहा। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं व भक्तों की भीड़ लगी रही। इस अवसर पर संतों एवं कथा वाचकों ने भगवान राम के जन्मोत्सव के छठियार पर सोहर का गायन कर भक्तों एवं श्रद्धालुओं को खुब झुमाया।

लक्ष्य हासिल नहीं करने वाले कर्मियों को चिह्नित कर होगी अनुशासनिक कार्रवाई: जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में आंतरिक संसाधन एवं राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई।

कार्यपालक अभियंता सोन नहर प्रमंडल, निरीक्षक माप तौल कार्यालय, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, जिला मत्स्य पदाधिकारी का लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली नहीं रहने के कारण असंतोष व्यक्त करते हुए उनसे स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। जिस कर्मी के कारण लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली नहीं हो पायी है, उसे चिन्हित कर

अनुशासनिक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

वहीं, माह फरवरी, 2025 का विभाग द्वारा निर्गत रैंकिंग की समीक्षा के क्रम में अंचल चौगाई का रैंक 504 एवं डुमराँव का रैंक 293 रहने पर खेद व्यक्त किया गया। राजस्व संबंधी प्राथमिकता वाले कार्यों में प्रगति लाने हेतु निदेश दिया गया। अंचल अधिकारी, चौगाई एवं डुमरांव का रैंकिंग काफी खराब रहने के कारण स्पष्टीकरण करने का निदेश दिया गया। जिला के रैंकिंग में प्रगति लाने हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर एवं डुमराँव को निदेश दिया गया कि राजस्व संबंधी प्राथमिकता वाले कार्यों का अंचलवार समीक्षा कर रैंकिंग में प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे। अभियान बसेरा-2 के तहत अंचलवार समीक्षा के क्रम में पाया गया कि अंचल डुमरांव द्वारा सर्वेक्षित परिवारों के विरूद्ध मात्र 51 प्रतिशत एवं नावानगर अंचल द्वारा मात्र 66 प्रतिशत भूमि का आवंटन किया गया है, जो खेदजनक है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव में चौपाल लगाकर बाबा साहेब के जीवन को चरितार्थ करने का लिया संकल्प

♦ पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई भाजपा कार्यकताओं की बैठक
♦ अंबेडकर जयंति समारोह कार्यक्रम की तय की गई रूपरेखा

केटी न्यूज/बक्सर

भाजपा कार्यकताओं की एक बैठक शुक्रवार को अहिरौली स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की।

बैठक में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंति समारोह की रूपरेखा तैयार की गई। तय किया गया कि पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को भाजपा द्वारा उनकी प्रतिमा की साफ सफाई की जाएगी।

14 अप्रैल को प्रतिमा पर श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण 20 अप्रैल को बाबा साहेब के जीवन पर विचार गोष्ठी, तथा 23, 24 व 25 अप्रैल को गांव-गांव चौपाल लगाकर बाबा साहेब के जीवन को चरितार्थ करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को मूर्त रूप देने के लिए सात सदस्यीय कमिटी बनाई गई। जिसमें धनंजय त्रिगुण को संयोजक, इंदु देवी, पूनम रविदास, अरविंद पासवान, हिरामन पासवान, डॉ.पंकज, रामाश्रय राम को सदस्य बनाया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि दुनिया जानती है कि जिस कॉग्रेस और ईडी गठबंधन ने बाबा साहेब को हर बार, हर साल केवल और केवल अपमानित करने का काम किया है, बाबा साहेब का हर बार मजाक उड़ाया है। वही लोग आज बाबा साहेब के हितैषी होंने का ढोंग करते है। कॉग्रेस ने बाबा साहेब के द्वारा दिए गये संविधान का मजाक उड़ाया तथा उसको अपना व्यक्तिगत जागीर समझा। कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न देने का विरोध किया था, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहेब के विचारों के साथ खड़ा रहने का काम किया है। वो चाहे अखंड भारत की कल्पना हो, 370 धारा हटाना हो, महिलाओं को आरक्षण देने का काम हो, या बाबा साहेब को भारत रत्न देना हो तथा बाबा साहेब के नाम से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के नाम से घोषित करना हो। ये सब कुछ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी करती आ रही है और आगे भी बाबा साहेब के बताऐ रास्ते पर चलने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी।

बैठक में मुख्य रूप से मिठाई सिंह, धर्मेन्द्र पाण्डेय, पंकज राम, चन्दन राम, सुनील कुमार, जगदीश राम, सुनील सिंह तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

डुमरांव प्रखंड में महिला संवाद 17 से जबकि 19 अप्रैल से विकास शिविर का होगा आयोजन

महिला सशक्तिकरण की योजनाओं व गांवों में आए बदलाव पर होगी विस्तृत चर्चा: बीडीओ

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड की महिलाओं के लिए अब राह आसान होने वाली है। क्योंकि उनके समस्याओं और आकांक्षाओं को खुलकर साझा करने के लिए प्रशासन महिलाओं से सीधा संवाद करेंगी। इसमें जीविका का विशेष सहयोग होगा। 17 अप्रैल से आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का लक्ष्य एक मंच प्रदान करना है।

इसके माध्यम से महिलाएं सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी अपना महत्वपूर्ण दृष्टिकोण व्यक्त कर सकेंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे योजनाओं और ग्रामीण क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत चर्चा करना है। राज्य सरकार का यह प्रयास है कि महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके और उन्हें सरकार की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में शामिल किया जा सके। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की सभी महिलाओं के सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला संवाद कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता वाहन के माध्यम से फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त बातें शुक्रवार को बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने पदाधिकारी व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं से खुले रूप से सार्थक चर्चा एवं संवाद स्थापित करना है, ताकि महिलाएं अपने गांव या टोलों की समस्याओं एवं आकांक्षओं को चिन्हित कर उनके समाधान के संबंध में अपना अभिमत सहज तरीके से उपलब्ध करा सके। साथ ही सामाजिक विकास से संबंधित मुद्दों पर भी अपना मंतव्य प्रदान कर सके। 19 अप्रैल से विकास शिविर का आयोजन किया जायेगा। माइक्रो प्लानिंग के तहत प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 22 योजनाओं के बाबत जांच करेंगे कि परिवारों को उसका लाभ मिला है या नहीं मिला है। इस शिविर में लोग अपनी समस्या भी रख सकते हैं। राशन कार्ड, नल-जल योजना, नाली गली योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, बिजली कनेक्शन, जीविका योजना से आच्छादित, बुनियाद केंद्र द्वारा स्वास्थ्य उपकरण की आपूर्ति सहित 22 बिंदुओं पर लाभान्वित करने का प्रयास किया जायेगा।

समर्थ पोर्टल के लिए कवायद तेज, शिक्षा विभाग करेगा समीक्षा

अब वित्तीय मामले समर्थ पोर्टल से होंगे संचालित : कुलसचिव

♦ आगामी 17 अप्रैल को शिक्षा विभाग वीकेएसयू समेत सभी विश्वविद्यालयों के साथ करेगा बैठक

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सहित सूबे के सभी विश्वविद्यालयों में अब ई-गवर्नेंस की सुविधा उपलब्ध होगी। सभी विश्वविद्यालयों को एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल ह्यसमर्थ से जोड़ा जा रहा है। इसे लेकर शिक्षा विभाग युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। समर्थ पोर्टल को लेकर विवि स्तर पर हुए कार्यों की समीक्षा को लेकर आगामी 17 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह विवि के साथ शिक्षा विभाग बैठक करेगा। बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा होगी। इसे लेकर उच्च शिक्षा विहाग के निदेशक दीपक कुमार ने विवि को पत्र जारी किया है। बता दें कि शिक्षा विभाग ने हाल ही में सभी शिक्षकों और कर्मियों का डाटा अपलोड करने का निर्देश दिया गया था। इसमें 56 प्रकार की जानकारी सभी शिक्षकों और कर्मियों से मांगी गयी थी। बताया जाता है कि समर्थ पोर्टल से शिक्षकों और छात्रों की खुद की पहचान होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षकों को सहूलियत मिलेगी। यह पोर्टल एडमिशन से लेकर डिग्री और दीक्षांत समारोह तक की सभी सूचनाओं का डिजिटल समाधान प्रदान करेगा। इस पोर्टल के माध्यम से अकाउंट, फाइनेंस, परीक्षा, रिजल्ट, और दीक्षांत समारोह समेत कुल 43 से अधिक मॉड्यूल कार्यरत होंगे। प्रत्येक विश्वविद्यालय में इस पोर्टल के सुचारू संचालन के लिए एडमिन और कोऑर्डिनेटर की नियुक्ति होगी। वहीं, तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए समर्थ की ओर से प्रत्येक राज्य के लिए एक समन्वयक नियुक्त किया जाएगा। विवि स्तर पर समर्थ पोर्टल के लिओये नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जा चुकी है। वहीं कॉलेज स्तर पर किसी भी महाविद्यालय में समर्थ पोर्टल के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त नहीं किया गया है।

जल्द ही कॉलेजों को उपलब्ध कराया जाएगा साफ्टवेयर

कुलसचिव प्रो रणविजय कुमार ने बताया कि सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों को समर्थ पोर्टल के लिए 15 अप्रैल तक नोडल ऑफिसर की नियुक्ति कर विवि को रिपोर्ट करना है। बता दें कि बैठक में समर्थ पोर्टल सहित अन्य बिंदुओ पर चर्चा होगी। समर्थ पोर्टल का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक और वित्तीय प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप देना है। अब शिक्षक और कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और बजट संबंधी प्रक्रियाएं भी इसी पोर्टल के माध्यम से संचालित होंगी। प्रत्येक विश्वविद्यालय को लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके बाद आवश्यक सॉफ्टवेयर मुहैया कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग इसके सफल संचालन को लेकर कई बार बैठक कर चूका है। अब पुनः 17 अप्रैल को बैठक बुलाई गई है। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे समर्थ पोर्टल पर अपनी सभी सूचनाएं उपलब्ध कराएं। विवि का बजट भी पोर्टल पर अपलोड किया गया है। छात्रों का नामांकन से लेकर डिग्री प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी। साथ ही परीक्षा फॉर्म भरने, रिजल्ट देखने और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए अलग-अलग पोर्टल या विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी।

आरा पूर्वी रेलवे फुट ओवरब्रिज निर्माण को लेकर सांसद ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/आरा

सांसद सुदामा प्रसाद ने रेलवे संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर दानापुर डिवीजन के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी से मुलाकात की इस मुलाकात के दौरान माननीय सांसद चुनाव प्रसाद ने आरा पूर्वी रेलवे गुमटी स्थित फुट ओवर ब्रिज को अविलंब निर्माण कार्य चालू करने,पटना-कोटा का ठहराव बिहिया में करने, आरा-बलिया रेल मार्ग का सर्वे हो चुका है उसे अविलंब निर्माण कार्य करने आरा माल गोदाम को यथावत आरा में रखना, आरा रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे अस्पताल या तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को बनाने, अमृत काल योजना के तहत आरा में 1500 फीट भवन का निर्माण करने, प्लेटफार्म नंबर 2-3 को ऊंचा करने के लिए 17 करोड़ की लागत से बनेगा, पटना दानापुर आरा के बीच शाम 7:30 बजे मेमू ट्रेन का परिचालन करने,बिहिया रेलवे ओवरब्रिज को मरम्मत करने, बनाही फुट ओवरब्रिज का निर्माण करने,बनाही में काशी पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस का टहराव करने, जमीरा में फुट ओवरब्रिज का निर्माण करने,

कुलहड़िया में रेलवे फुट ओवरब्रिज बनाने, किउल से लेकर मुगलसराय तक तीन या चार रेल लाइन का निर्माण करने आदि और कई मांगों को लेकर डीआरएम से मुलाकात की। इस दौरान डीआरएम ने इन सभी मांगों पर सकारात्मक बात करते हुए इसे जितना जल्द हो सके पूरा करने का आश्वासन दिया इस दौरान माननीय सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि हम इन सवालों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और लोकसभा के अंदर इन महत्वपूर्ण विषयों पर जोर ढंग से उठाते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है।

विद्यालयों में नामांकन के लिए चला अभियान किया गया प्रेरित

बिहिया। बिहिया बीईओ मनोज कुमार और कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सर्वेश राम के संयुक्त नेतृत्व में नामांकन अभियान चलाया गया। नगर के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर एवं अभिभावकों से संपर्क कर नामांकन अभियान चलाया गया। प्रधानाध्यापक सर्वेश राम ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण कर आंगनबाड़ी में छह वर्ष या इससे ऊपर वाले बच्चों के बारे में जानकारी ली गई एवं उनके माता-पिता एवं आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एवं सहायिकाओं से नामांकन कराने हेतु प्रेरित किया गया। खासकर अनुसूचित जाति टोलों में प्रेरित किया गया। ताकि अधिक से अधिक छात्रों का नामांकन हो सके।

भोजपुर में चाचा ने भतीजे को मारा चाकू

आरा। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव में तीन दिन पहले हुए विवाद को लेकर चाचा ने अपने ही भतीजे को चाकू मार दिया। जख्मी युवक को चाकू बाएं हाथ में कलाई और अंगूठे के पास लगी है, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मी युवक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव निवासी श्याम बिहारी यादव का बेटा अमन कुमार है। अमन ने बताया कि तीन दिन पहले उसके बड़े पिता द्वारा उसके बंद घर का ताला तोड़कर उसमें रखे सामान को निकाल लिया गया था, जिसको लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था। हालांकि उस दिन बात खत्म हो गई थी।

माले का वक्फ संशोधन कानून वापस लेने के लिए प्रदर्शन

केटी न्यूज/आरा

आरा समाहरणालय तलाब स्थित जेपी स्मारक स्थल से इंसाफ मंच व भाकपा माले के बैनर तले एक प्रतिवाद मार्च निकला। यह प्रतिवाद मार्च साम्प्रदायिक व संविधान विरोधी वक्फ संशोधन कानून वापस लेने की मांग, संविधान पर भाजपा सरकार के खुल्लम-खुला हमला बंद करने तथा मुस्लिम समुदाय की धार्मिक आजादी पर हमला बंद करने की मांग पर आयोजित हुआ। इस मार्च का नेतृत्व इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी व भाकपा माले केन्द्रिय कमिटी सदस्य व अगिआंव के पूर्व विधायक मनोज मंजिल ने किया। मार्च जेपी स्मारक से चलकर कलेक्ट्रेट, बाबा भीम राव अम्बेडकर स्मारक, कचहरी रोड, गोला मुहल्ला होते हुए टाउन थाना चौक पहुंच कर सभा मे तबदिल हो गया। सभा को संबोधित करते हुए इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून साम्प्रदायिक व संविधान विरोधी कानून है। क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने मे जुटी है। भाजपा के तीसरी बार सत्ता मे आते ही दलितों, महिलाओं और

मुस्लिमो पर हमले तेज हो गये है। अब तो हर मस्जिद मे मंदिर खोजना आम बात हो गयी है ऐसे दौर मे इंसाफ मंच के राज्य सचिव का कहना है कि वक्फ संशोधन कानून काला कानून साबित होगा संघ भाजपा सरकार अल्पसंख्यकों के धार्मिक आजादी को कुचलने पर आमादा है हम सभी सेकुलर और लोकतंत्र पसंद लोगों को इसका डटकर विरोध करना होगा। भाकपा माले केन्द्रिय कमिटी सदस्य व अगिआंव के पूर्व विधायक मनोज मंजिल ने कहा कि आज मोदी सरकार चहु ओर दलितों, और अल्पसंख्यकों पर हमले कर रही है। बाबा साहब के संविधान पर हमला हमे मंजुर नहीं मोदी सरकार को हम अपने आंदोलन के बल पर वक्फ संशोधन कानून वापस लेने के लिए बाध्य करेंगे।

नगर पंचायत के मिश्रवलिया रोड शाहपुर बालपर चल रहा श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ

संस्कार से ही मनुष्य की पहचान होती है : जीयर स्वामी

केटी न्यूज/आरा

नगर पंचायत के मिश्रवलिया रोड शाहपुर बालपर चल रहे श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ में प्रवचन के माध्यम से शुक्रवार को लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि संस्कार से ही आपके कर्मों की पहचान होती है। चाहे माता-पिता संत जैसे मानव कितनी भी उंचाई तक पहुंच जाए, अपने विचार और कर्मों को नहीं भूलना चाहिए। गलत कर्म वाले लोगों की पहचान खुद हो जाती है, बताना नहीं पड़ता है। इसलिए अच्छा कर्म करें, भले कठिन क्यों न हो। संत जीयर स्वामी ने कहा कि पद प्रतिष्ठा के लोग अपना स्वभाव व कर्म की पहचान समय के मुताबिक करते हैं। उसका कर्म कभी भी प्रभावशील रहेगा। इसलिए अपने कामों को अच्छे मार्ग पर ही लगायें। महाभारत के प्रसंग पर चर्चा के दौरान संत ने कहा कि विभीषण और अर्जुन जैसे शक्तिशाली राजाओं को भी परेशानी झेलनी पड़ी। समय बलवान होता है। इससे घबराना नहीं चाहिए। संत के विबिचारों को अपनायें। अगर संत नहीं रहे, तो पूरे विश्व में प्रलय

की स्थिति बन जाएगी। उन्होंने कहा कि कथा संस्कार है। यह ईश्वर की कृपा है। इसे बार-बार सुनने के बाद जीवन में ईश्वर की कृपा बरसने लगती है। जीवन में शांति की प्राप्ति होती है। शालीनता आती है। सादगी आती है। विनम्रता आती है। जिन शब्दों को सुनने के बाद हमारे मन, बुद्धि व दिमाग को ईश्वर में स्थापित होने का सौभाग्य प्राप्त होता है, उसे कथा कहते हैं। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को श्रीमद्भागवत कथा सुननी चाहिए। कर्म के बारे में समझाते हुए कहा कि कर्म करते समय व्यक्ति को सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्यों कि कर्म का फल अकाट्य होता है। इसका फल मिलना निश्चित है। क्योंकि जो जैसा कर्म करेगा, वैसा फल मिलेगा ही। कहा कि व्यक्ति को मांसाहार नहीं करना चाहिए। अपनी आत्मा की पूर्ति और जीभ के स्वाद के लिए दूसरे जीवों को मारकर खा जाना घोर अपराध है। प्रवचन में संत बैकुंठ दास जी महाराज, अयोध्या नाथ दास जी महाराज, चतुभुर्जी स्वामी जी महाराज, मुक्तिनाथ शास्त्री जी महाराज, आनंद शास्त्री महाराज, उद्धव स्वामी महाराज समेत कई संत-महात्माओं ने प्रवचन किया।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड दौरे पर आ रहे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, वॉलेंटियर एवं बीएलओ से करेंगे मुलाकात

रांची, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर आ रहे हैं. वे 11 से 13 अप्रैल तक झारखंड में रहेंगे. इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त रामगढ़ एवं रांची के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे. वॉलेंटियर एवं बीएलओ से मुलाकात करेंगे और उनसे संपन्न हो चुके लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव का अनुभव जानेंगे. मंगलवार को धुर्वा के निर्वाचन सदन में झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के झारखंड दौरे की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर रहे थे.

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने के रवि कुमार ने बताया कि 12 अप्रैल को रामगढ़ में मुख्य चुनाव आयुक्त लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव-2024 में भाग लेने वाले वॉलेंटियर्स से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे वॉलेंटियर्स का चुनाव के दौरान अनुभव को जानेंगे. 13 अप्रैल को रांची के दशम फॉल में बीएलओ से मुलाकात करेंगे एवं दुर्गम क्षेत्रों में उनके प्रयासों को जानेंगे. इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त बीएलओ द्वारा चुनाव के दौरान हाउस टू हाउस सर्वे, बीएलओ ऐप, मतदान का समय प्रबंधन इत्यादि के विषय में उनके अनुभवों को जानेंगे.

के रवि कुमार ने समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को मुख्य चुनाव आयुक्त के दौरे से संबंधित कार्यों को आवंटित करते हुए उसके बेहतर अनुपालन के निर्देश दिए. उन्होंने रामगढ़ एवं रांची में कार्यक्रम स्थलों पर तैयारियों का निरीक्षण करते हुए उसे समय से पूरा कर लेने का निर्देश दिया. समीक्षा बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा, राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर, रांची के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा मौजूद थे. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से रामगढ़ जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार समेत अन्य निर्वाचन पदाधिकारी जुड़े थे.

स्वयंसेवकों को समाज में हर प्रकार के काम के लिए तैयार करता है प्रशिक्षण सत्र : डॉ टी पी सिंह

देवघर, एजेंसी। एएस महाविद्यालय देवघर में एनएसएस की ओर से चलाये जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन गुरुवार को समारोह पूर्वक हुआ. समारोह की शुरूआत प्राचार्य डॉ टीपी सिंह व पूर्व प्राचार्य डॉ अशोक कुमार ने किया. प्राचार्य डॉ टीपी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस इकाई-01 व 05) के सात दिवसीय विशेष शिविर के सफलतापूर्वक समापन पर कहा कि यह स्वयंसेवकों को समाज में हर प्रकार के काम करने के लिए पूरी तरह तैयार करता है, साथ ही युवाओं को सामाजिक रूप से जागरूक भी करता है. पूर्व प्राचार्य डॉ अशोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में समाज व राष्ट्र के भविष्य का निर्धारण करती है.

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्या व श्रावणी ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी. वहीं स्वयंसेवकों ने देशभक्ति गीत, भजन, आदिवासी नृत्य, स्वरचित कविता की प्रस्तुति दी. अंत में स्वयंसेवकों ने रक्तदान महादान विषय पर नुक्कड़ नाटक पेश कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. प्रस्तुति देने वालों में एनएसएस कार्यकर्ता प्रिया, श्रवण, रुद्र प्रताप, शिवरंजनी, प्रियंका, रूद्र, मनीष, बबलू व अविनाश, अरबाज, अनंत, चाहत व राखी आदि शामिल थे. अंत में आशु वचन, पोस्टर मेकिंग व गायन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले व शिविर के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल दिये गये. मंच का सफल संचालन खुशी कुमारी व अनंत राज ने किया. मौके पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉक्टर पुष्पलता धन्यवाद ज्ञापन, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ भारती प्रसाद के अलावा डॉ कुमारी पामेला ,डॉ सुधांशु शेखर महतो, डीपी मंडल, नंदन दूबे, डॉ विनीता रानी, धीरेंद्र कुमार, उमेश कुमार, सुनील कुमार सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

धनबाद में सेक्सटॉर्शन कॉल सेंटर का खुलासा:

सरगना के साथ 3 महिलाओं को भी किया गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में सेक्सटॉर्शन कॉल सेंटरों का कारोबार उफान पर है। ऐसे ही एक कॉल सेंटर का साइबर पुलिस ने खुलासा किया है। पहली बार सरगना के साथ 3 महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया है। सेक्सटॉर्शन के लिए यह कॉल सेंटर बैंकमोड़ के श्रीराम प्लाजा के सामने राजेंद्र मार्केट स्थित एक आवास में चल रहा था। छापेमारी में पुलिस ने यहां से 14 मोबाइल, 18 सिम कार्ड भी बरामद किया है। कॉल सेंटर को पुराना बाजार दरी मोहल्ला का रहने वाला मनीष कुमार उर्फ मोंटी भइया अपनी दूसरी पत्नी नम्रता उर्फ नेहा के साथ मिलकर चला रहा था। साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि कॉल सेंटर में पहले तो लोगों को मेंबर बनाया जाता था, फिर सेक्सुअल चैट, लाइन न्यूड वीडियो, सेक्स वीडियो व सेक्स के लिए लड़की उपलब्ध कराने जैसा काम किया जाता था।

ग्राहकों का वीडियो बना कर मोंटी उन्हें ब्लैकमेल करता था

सोशल मीडिया व अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए कॉल सेंटर के मोबाइल नंबर का विज्ञापन किया जाता था। संपर्क करने पर एक हजार रुपए में लोगों को मेंबर बनाया जाता था। पांच हजार में सेक्सुअल वीडियो व दस हजार रुपए में आधे घंटे का लाइव न्यूड वीडियो दिखाया जाता था। इस दौरान ग्राहकों का वीडियो बना कर मोंटी उन्हें ब्लैकमेल करता था।

पंजाब के व्यक्ति ने किया केस, तो हुआ मामले का खुलासा

साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि पंजाब के एक व्यक्ति द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई। पंजाब के व्यक्ति ने फ्रेंडशिप कर शेयर मार्केट में पैसा इंवेस्ट करने के नाम पर 40 हजार रुपए ठगी करने की शिकायत की है। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर कॉल सेंटर का खुलासा किया। साइबर पुलिस ने संगठित अपराध के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मोंटी की संपत्ति का पता लगा कर जब्त करने की कार्रवाई करेगी।

लड़कियों को मिलता था कमाई का आधा हिस्सा

पूछताछ में सामने आया कि सरगना कॉल सेंटर के लिए फर्जी दस्तावेज से मोबाइल व सिम उपलब्ध करवाता था। उसकी दूसरी पत्नी नम्रता ग्रुप में लड़कियों को जोड़ने व उनपर निगरानी रखने का काम करती थी। गिरोह में काफी संख्या में युवतियों को जोड़ने का प्रमाण मिला है। सुबह 10 से शाम के 5 बजे तक चलने वाले कॉल सेंटर में काम करने वाली महिलाओं को ठगी का 50 प्रतिशत हिस्सा मिलता था। बाकी 50प्रतिशत मोंटी खुद रख लेता था।

पुलिस पहुंची तो हर 10 मिनट पर बज रहे थे मोबाइल

पुलिस पहुंची तो कॉल सेंटर में महिलाएं मोबाइल पर लगातार बात कर रही थीं। कॉल सेंटर में 14 मोबाइल हर 10 मिनट में बज रहे थे। मोबाइल पर आ रहे लगातार कॉल को महिलाएं रिसीव कर जवाब भी दे रहीं थीं।

अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध, ट्रक और बाइक में तोड़फोड़

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों ने गुरुवार को मोर्चा खोल दिया। कसियाटांड स्थित कोयला डिपो पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। उन्होंने वहां खड़े ट्रक और बाइक में तोड़फोड़ की।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक साल से यहां पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से अवैध कोयला कारोबार चल रहा है। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर सैकड़ों पेड़ काटे गए। इस जगह पर बड़े पैमाने पर कोयला डिपो चलाया जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कोयला लदे ट्रक को जब्त कर लिया है। डिपो से कोयला खरीद-बिक्री से जुड़ी कुछ पर्चियां भी मिली हैं। हालांकि पुलिस इससे इनकार कर रही है।

कोयला तस्करी को पूरी तरह बंद करने की मांग: स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े ट्रकों के लगातार आने-जाने से उन्हें परेशानी होती है। इस अवैध कारोबार से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और कोयला तस्करी को पूरी तरह बंद करने की मांग की है।

सरायकेला के चांडिल रेलवे ट्रैक पर घूम रहे 13 हाथी, झुंड में दो शिशु हाथी भी

सरायकेला, एजेंसी। चांडिल में रेलवे ट्रैक के किनारे जंगली हाथियों का विचरण एक बार फिर शुरू हो गया है। इस दल में 13 हाथी हैं। इसमें दो शिशु हाथी भी शामिल हैं। पिछले एक सप्ताह से हाथियों को रेलवे ट्रैक के आस-पास देखा जा रहा है। ऐसे में हाथियों के ट्रेन की चपेट में आने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि, ट्रेनों से हाथियों को कोई नुकसान ना हो इसके लिए वन विभाग ने 5 रेलवे स्टेशन मास्टरों को ट्रेन धीमी गति से चलाने के लिए पत्र लिखा है। वहीं, वन विभाग की क्यूआरटी की टीम भी हाथियों पर नजर बनाए हुए है। गुंडा बिहार रेलवे स्टेशन के पास हाथियों का विचरण सबसे अधिक है। हाथियों का झुंड दिन में भी रेलवे ट्रैक पार करते दिख जा रहा है। जानकारी हो कि 9 मई 2023 में लेटेमदा रेलवे स्टेशन के पास हावड़ा-हटिया-एक्सप्रेस की चपेटमें आने से एक हाथी की मौत हुई थी। इसके बाद से वन विभाग ने रेलवे ट्रैक से हाथियों को दूर रखने का दावा किया था। वन विभाग के अनुसार, हाथियों का विचरण सबसे अधिक गुंडा रेलवे स्टेशन के पास है। इसके अलावा चांडिल, झिमड़ी, तिरुलडीह, लेटेमदा के पास भी हाथियों को देखा जा रहा है। इन सभी स्टेशन मास्टरों को दिन और रात के समय ट्रेन धीरे चलाने को लेकर पत्र लिखा गया है। इधर, हाथियों के कारण आधा दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण दहशत में हैं।

रेलवे दे रहा 7 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का मौका, चलेगी भारत दर्शन ट्रेन

झुमरीतिलैया, एजेंसी। यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है कि गर्मी की छुट्टियों में सैर-सपाटे या तीर्थ स्थलों पर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं तो तीर्थ स्पेशल ट्रेन में बुकिंग करा सकते हैं। 31 मई को धनबाद से कोडरमा स्टेशन पर ठहराव के बाद भारत दर्शन ट्रेन चलेगी। इस ट्रेन से महाकाल समेत 7 ज्योर्तिलिंग व शिरडी तथा द्वारकाधीश का दर्शन कर सकेंगे। 12 रात और 13 दिनों की यात्रा पूरी करके ट्रेन 12 जून को वापस धनबाद लौटेगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्लीपर व थर्ड एसी कोच की सुविधा उपलब्ध होगी। स्लीपर श्रेणी में 490 तथा थर्ड एसी में 240 यात्री सफर कर सकेंगे। स्लीपर का पैकेज 23,575 और थर्ड एसी का पैकेज 39,990 रुपये प्रति यात्री यात्री है।

धनबाद से चलने वाली विशेष ट्रेन में हजारीबाग, कोडरमा, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, बख्तियारपुर, पटना, आरा, बक्सर, दिलदारनगर व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से बोर्डिंग यानी सवार होने की अनुमति मिलेगी। वापसी में अपने गंतव्य स्टेशन पर यात्री उतर सकेंगे। उज्जैन के महाकाल व ओमकारेश्वर, सोमनाथ, द्वारिका व नागेश्वर ज्योर्तिलिंग, शिरडी व शनि सिंगनापुर, नासिक त्र्यंबकेश्वर, पुणे भीमाशंकर व औरंगाबाद घृष्णेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन करेंगे। यात्रियों को ठहरने व खान-पान की चिंता नहीं करनी होगी। ठहरने के लिए स्लीपर के यात्रियों को नान एसी व थर्ड एसी के यात्रियों को एसी कमरे की सुविधा मिलेगी। तीर्थ स्थलों पर स्थानीय परिवहन की सुविधा भी मिलेगी। इसमें भी स्लीपर श्रेणी के लिए नान एसी व थर्ड एसी के यात्रियों को वातानुकूलित वाहन की सुविधा दी जाएगी। ट्रेन में यात्रियों को केवल शाकाहारी खाना मिलेगा।

फाइन कटने पर भी नहीं मान रहे नियम:6 माह में बिना हेलमेट के 3.14 लाख सवारों का कटा चालान

रांची, एजेंसी। ट्रैफिक पुलिस की सख्ती के बाजवूद बाइक व स्कूटी सवार शहर में यातायात नियमों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं। जान की परवाह किए बगैर ये लोग सड़कों पर बिना हेलमेट पहने ही सरपट गाड़ी दौड़ा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस ऐसे लोगों से सख्ती से निपट रही है। पिछले 6 महीने में बिना हेलमेट पहने बाइक व स्कूटी चलाते 3.14 लाख लोगों का चालान काटा गया है। सबसे ज्यादा चालान बगैर हेलमेट पहने गाड़ी चलाने के आरोप में ही कटा है। बाजवूद इसके बिना हेलमेट पहने गाड़ी चलाने वालों पर पूर्ण रूप से लगाम नहीं लग पा रहा है।इसके बाद नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वाले 18 हजार वाहन सवारों को भी पकड़ा गया है, जिनका ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा है। हालांकि, गलत साइड से ड्राइविंग करने वाले वाहन सवारों की संख्या पहले की तुलना में काफी कम हुई है। पिछले 6 महीने में 278 वाहन सवारों को ही रॉन्ग साइड से ड्राइविंग करते हुए पकड़ा गया है। इसके अलावा ओवर स्पीड गाड़ी ड्राइव करते हुए 3720 वाहन सवारों को पकड़े जाने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा है। यह आंकड़ा अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक का है।

रतन टॉकीज चौक पर कट रहा सबसे ज्यादा चालान : वाहन सवार मेन रोड में सबसे ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ड्यूटी पर तैनात जवान उनके खिलाफ कार्रवाई भी कर रहे हैं। विभिन्न जगहों पर सीसीटीवी कैमरे से चालान काट रहे हैं। जहां कैमरा नहीं लगा है, वहां जवान मैनुअल ही वाहन सवारों को पकड़ कर फाइन काटा जा रहा है।

आंकड़ों पर गौर करें तो सबसे ज्यादा ट्रैफिक नियम मेन रोड में ही तोड़े जा रहे हैं। रतन टॉकीज चौक पर सबसे ज्यादा वाहन सवारों का चालान कट रहा है। अंजुमन प्लाजा के पास भी ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग मैदान तक पहुंचने के लिए बाइक व स्कूटी का इस्तेमाल करते हैं। सुबह का समय होने की वजह से उन्हें लगता है कि ट्रैफिक जवान तैनात नहीं हैं तो चालान नहीं कटेगा। ऐसे में वे बगैर हेलमेट लगाए ही बाइक व स्कूटी से निकल जाते हैं। हालांकि, चौक-चौराहों पर कैमरे की जद में आने के बाद उनका चालान कट रहा है। स्कूल बस स्टॉपेज तक भी बगैर हेलमेट पहने ही अभिभावक स्कूटी व बाइक से बच्चों को पहुंचाने आते हैं।

झारखंड में दोस्त के साथ घूमने निकले युवक की हत्या, आक्रोशितों ने की सड़क जाम

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग शहर के खिरगांव नमस्कार चौक में अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी. मृतक की पहचान प्रभात कुमार के रूप में हुई है. घटना गुरुवार देर रात की है. जानकारी के मुताबिक वह अपने एक दोस्त के साथ स्कूटी से घूमने निकला था. देर रात वह लोगों को घायलवस्था में बाकर गली मिला. जिसके बाद उन्हें आनन फानन में रांची रिम्स ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते उसने दम तोड़ दिया. जिसके बाद शुक्रवार को मुहल्ले वासियों ने खिरगांव के समीप अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दी. घटना के संबंध में मृतक की बहन लक्ष्मी ने कहा कि उसका भाई घर से पकौड़े खाकर अपने दोस्त कृष्णा के साथ स्कूटी से निकला था. इसके बाद वह लैपो रोड स्थित बाकर गली में खून से लतपथ पाया गया. उसका सिर का पिछले हिस्सा कटा हुआ था और वहां छेद का निशान था. उसे तत्काल शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने जैसे तैसे पट्टी लपेटकर उसे रांची रेफर कर दिया. पुलिस इस बारे में मृतक के दोस्त कृष्णा से भी पूछताछ कर रही है. पुलिस की पूछताछ में मृत युवक के दोस्त ने बताया कि प्रभात और वह दोनों एक स्कूटी से निकले थे. इस दौरान उसका दोस्त लौटके वक्त साथ ले चलने की बात कहकर लैपो रोड बाकर गली के पास उतर गया. इसके आधे घंटे बाद उन्हें कॉल आया कि उसका दोस्त रास्ते में बेहोश पाया गया है. जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया.

मकान मालिकों पर झारखंड पुलिस की सख्ती, किरायेदार अपराधी निकला तो होगी जेल

रांची, एजेंसी। यदि मकान मालिक ने जानबूझकर किसी फरार अपराधी को अपने यहां पनाह दी या फिर किराए पर मकान दिया तो उसे जेल जाना पड़ सकता है। झारखंड पुलिस ने किराएदार के वेरिफेशन के लिए हर थाने को सतर्क किया है। किराएदार के पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को आसान करने के साथ किसी को परेशान नहीं करने की बात कही गई है। इस मामले पर बात करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि वर्तमान में झारखंड में किराएदार के ऑनलाइन वेरिफिकेशन की सुविधा नहीं है। झारखंड पुलिस के एप में इसका आप्शन तो है, लेकिन इसका लिंक जनरेट नहीं है। इससे आमलोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वेरिफिकेशन के लिए लोगों को थाना का चक्कर लगाना पड़ता है। किराएदार के पुलिस वेरिफकेशन को सरल बनाया जाएगा, ताकि किसी को परेशानी न हो। इसके लिए पुलिस ने कार्ययोजना तैयार की है। थाना स्तर पर आमलोगों के साथ बैठक की जाएगी। घर-दुकान या जमीन, किसी भी संपत्ति को किराये पर देने से पहले रेंट एग्रीमेंट बनवाना बहुत जरूरी होता है। इससे कब्जे का डर या विवाद की स्थिति में मकान मालिक का पक्ष मजबूत हो जाता है। हालांकि, रेंट एग्रीमेंट के साथ पुलिस वेरिफिकेशन भी बहुत जरूरी होता है। लेकिन, कई बार लोग किरायानामा तो बनवा लेते हैं पर पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराते हैं। ऐसी स्थिति में अगर किरायेदार किसी गलत गतिविधि में शामिल पाया जाता है तो मकान मालिक पर कानूनी कार्रवाई की आंच आ सकती है।

एक साल में खत्म हो जाएंगे नक्सली, झारखंड में सरकार खर्च करेगी 125 करोड़ रुपए

रांची, एजेंसी। झारखंड के नक्सल प्रभाव वाले जिलों में अभियान समेत अन्य मामलों में साल 2025-26 में 125.54 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा इस संबंध में राशि निर्गत कर दी गई है। जिसके बाद राज्य सरकार के गृह विभाग ने इन पैसों को खर्च करने को लेकर पुलिस मुख्यालय को आदेश जारी किया है।

नक्सल प्रभाव वाले जिलों में नक्सल अभियान, उससे जुड़े लॉजिस्टिक सपोर्ट, नए कैंपों के निर्माण, गुप्तचरों, संचार, हथियार की खरीद समेत अन्य मामलों पर यह राशि खर्च की जाएगी। राज्य के एक घोर नक्सल प्रभाव वाले जिले पश्चिमी सिंहभूम समेत आठ उग्रवाद प्रभावित जिलों में यह राशि एसआरई स्कीम के तहत खर्च होगी। वहीं, भारत सरकार ने झारखंड समेत अन्य उग्रवाद प्रभावित राज्यों में विशेष केंद्रीय सहायता योजना का विस्तार भी किया है। इस योजना के तहत 100 करोड़ की राशि प्रस्तावित है।

माओवादियों ने शांति वार्ता के लिए दिया प्रस्ताव

भाकपा माओवादियों ने शांतिवार्ता के लिए फिर से पहल की है। माओवादियों के उत्तर पश्चिम सब जोनल ब्यूरो के प्रभारी रूपेश ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस संबंध में बयान जारी किया है। हालांकि माओवादियों की शर्त इसके लिए छत्तीसगढ़ के बस्तर में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान को रोकने की है।

मार्च 2026 तक नक्सल मुक्ति का लक्ष्य : भारत सरकार ने मार्च 2026 तक झारखंड समेत देश के सभी राज्यों से नक्सल मुक्ति का टारगेट रखा है। राज्य में रोजाना चल रहे नक्सल अभियान की मॉनिटरिंग भी केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा की जाती है। चाईबासा में वर्तमान मेंउग्रवादियों का जमावड़ा है, रोजाना उस इलाके में केंद्रीय बलों की मदद से नक्सल अभियान चलाया जा रहा। बता दें की छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में लगातार ऐक्शन जारी है। इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक सैकड़ों नक्सलियों को एनकाउंटर में ढेर किया जा चुका है। इस दौरान सैकड़ों नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर भी किया है।

सुभाषितम्

खुशी तब होती है जब आप जो सोचते है जो कहते है और जो करते है, सब में संतुलन होता है। - विलियम शेक्सपियर

डॉलर को यूआन की चुनौती और अमेरिका के अस्तित्व पर संकट

वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में एक ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। कई दशकों से अमेरिकी डॉलर वैश्विक लेन-देन का केंद्र-बिंदु बना रहा। वैश्विक व्यापार में डॉलर मुद्रा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकारता के कारण अमेरिका का प्रभुत्व कई दशकों से बना हुआ है। अब चीन का डिजिटल युआन (ई-सीएनवाय) उस वर्चस्व को चुनौती देने के लिए तैयार है। हाल ही में पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने डिजिटल युआन को एसियान और खाड़ी देशों के साथ क्रॉस-बॉर्डर लेन-देन में शामिल कर अंतदेर्शीय व्यापार में ऐसा कदम उठाया है, जिसने वैश्विक व्यापार के स्विफ्ट सिस्टम की अपरिहार्यता को संकट में डाल दिया है। दो देशों के बीच लेन-देन में युआन की स्वीकारता का अर्थ है, वैश्विक व्यापार अब डॉलर के बिना भी संभव है। वर्तमान डॉलर व्यवस्था में लेन-देन की व्यवस्था से तेज, सस्ता और सुरक्षित तरीके से संभव होगा। स्विफ्ट आधारित लेन-देन में 3 से 5 दिन का समय लगता है तथा इसमें भारी शुल्क लगता है। डिजिटल युआन की नई व्यवस्था में महज 7 सेकंड में ट्रांजैक्शन पूरा हो सकता है। वह भी 98 फीसदी कम लागत पर आयातक और निर्यातक लेन-देन कर सकेंगे। चीन की यह तकनीकी प्रगति अमेरिका और अमेरिकन डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में है। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ बार शुरू करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी दादागिरी बताने का काम किया है, ऐसे समय पर चीन की यह चुनौती अमेरिका के लिए सबसे बड़ा संकट बनकर सामने है। एक रणनीतिक भू-अर्थव्यवस्था की नींव चीन ने रख दी है। बीआरआई (बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव) से जुड़े देश अब चीन के युआन में व्यापार कर रहे हैं, जिसके कारण वैश्विक व्यापार में डॉलर पर निर्भरता कम या खत्म होने की उम्मीद बढ़ गई है। चीन द्वारा अमेरिका की आर्थिक कूटनीति तथा वैश्विक व्यापार में अमेरिका की कमाई को सीधी चुनौती चीन देने जा रहा है। अमेरिका की आर्थिक एवं सामरिक शक्ति का बड़ा आधार वैश्विक व्यापार में डॉलर मुद्रा का एकाधिकार है। ऐसे में यदि डॉलर का वैश्विक प्रभुत्व खत्म होता है तो अमेरिका को लडखडाने में देर नहीं लगेगी था। दुनिया के देश यदि डॉलर को दरकिनार कर अपने व्यापार को वैकल्पिक मुद्राओं में करने लगते हैं, तो ऐसी स्थिति में अमेरिका की वैश्विक दबाव की नीति कमजोर पड़ना तय है था। अमेरिका ने जो टैरिफ युद्ध शुरू किया है, उसने अपने मित्र देशों को भी एक तरह से चुनौती दी है था। चीन के साथ सीधे-सीधे आर्थिक युद्ध की शुरूआत कर दी है था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कृत्य से दुनिया भर की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा गई है था। ऐसा करके अमेरिका ने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है था। चीन ने इसका जवाब देते हुए जिस तरह की चुनौती वैश्विक व्यापार में डॉलर मुद्रा और अमेरिका को दी है, वह ट्रंप ने सपने में भी नहीं सोचा होगा था। एक ही झटके में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ युद्ध शुरू करके सारी दुनिया के देशों को अमेरिका के खिलाफ खड़ा कर दिया है था। अंतरराष्ट्रीय जगत में यह एक ऐसा मोड़ है, जहाँ चीन अमेरिका को सीधे चुनौती दे रहा है था। चीन अब अमेरिका को चुनौती देने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुद नियम बना रहा है। डिजिटल युआन वैश्विक वित्तीय सिस्टम को नया आकार दे रहा है। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जबकि अमेरिका ने अपने दोस्तों को भी दुश्मन बना लिया है था। आर्थिक मंदी और वैश्विक लेन-देन में यदि यह प्रयोग सफल होता है तो इसमें ज्यादा से ज्यादा देश शामिल होंगे। चीन का अंतर्राष्ट्रीय दुनिया के लगभग 80 देशों के साथ बड़े पैमाने पर यह प्रयोग हो रहा है, जिस कारण अमेरिका को केवल आर्थिक ही नहीं, वैश्विक व्यापार और नीतिगत अस्तित्व का खतरा उत्पन्न हो गया है। टैरिफ युद्ध की यह लड़ाई अब टैंक और मिसाइलों के बल पर नहीं, बल्कि डिजिटल करेंसी, ट्रस्ट और आर्थिक लेन-देन की है। इसमें चीन ने अमेरिका के ऊपर तगड़ा प्रभावशाली हमला किया है। इस हमले से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हड़बड़ा कर रह गए हैं था। उन्होंने एक साथ कई मोर्चे अति उत्साह में खोल दिए हैं था। उनको लगता था, अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उनके एक इशारे पर सारी दुनिया नाचेगी लेकिन चीन ने अब डोनाल्ड ट्रंप को उंगलियों पर नचाना शुरू कर दिया है था। चीन और उत्तर कोरिया जिस तरीके से तकनीकी के इस युग में अमेरिका की चुनौती का मुकाबला करने को तैयार दिख रहे हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि अमेरिका का वर्चस्व उसी तरह से खत्म होगा।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती।

हनुमानजी हैं भगवान श्री राम के अनन्य भक्त

-संजय गोस्वामी

हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल 2025 को मनाया जा रहा है . हनुमान जयंती साल में दो बार मनाई जाती है. चैत्र पूर्णिमा और कार्तिक चतुर्दशी को हनुमान जयंती होती है. कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को भी हनुमानजी का जन्म महोत्सव मनाया जाता है। ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

अंजना माता का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों ।पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, ह्यतुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।ह्य बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नामह्लह्लराक्षसान्तकह्लह्ल भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, ह्यमेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।ह्य प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,ह्यगुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।ह्ल मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मयार्दा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मयार्दा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मयार्दा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,ह्य मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।ह्य अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी।

बांग्लादेश को माइनस में ले जा रहे हैं यूनुस

- बीपी गौतम

बांग्लादेश पूरी तरह से राह भटक गया है, इसीलिये वहां प्रदर्शन और हिंसा नहीं रुक पा रही है और न ही नेतृत्व, ऐसे निर्णय ले पा रहा है, जिससे बांग्लादेश शांति की ओर बढ़े और संप्रभु राष्ट्र बना रहे। बांग्लादेश में अब इस्राइल को लेकर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। ढाका और आस-पास के शहरों में कई अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट भी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आ गये, वहीं मोहम्मद यूनुस भी लगातार गलत निर्णय ले रहे हैं, वे चीन में शी जिनपिंग के सामने पूंछ हिलाते दिखाई दिये और फिर चापलूसी की सभी हदें पार करते हुये भारत की संप्रभुता से खेल गये, इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने बांग्लादेश की ट्रांसशिपमेंट सुविधा भी बंद कर दी है, इससे पहले बैंकॉक में पिछले सप्ताह बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद यूनुस से गलत बयानबाजी करने से बचने को कहा था, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

बांग्लादेश में इस्राइल को लेकर हो रहे हैं प्रदर्शन

बांग्लादेश में में प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया, जिससे उन्हें देश छोड़ना पड़ा। तख्ता पलट के बाद मोहम्मद यूनुस के हाथों में नेतृत्व चला गया लेकिन, मोहम्मद यूनुस भी असफल साबित हो रहे हैं। अब कट्टरपंथियों द्वारा सोमवार से इस्राइल के विरुद्ध प्रदर्शन किये जा रहे हैं। गाजा में इस्राइली सेना का सैन्य अभियान चला, जिसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है, इसके विरोध में बांग्लादेश में कट्टरपंथी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, इन प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्राइल से जुड़े उत्पादों का बायकॉट करने की भी आवाज उठाई जा रही है, साथ ही तमाम अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के आउटलेट्स पर भी हमला किया जा रहा है। बाटा, केएफसी और पिज्जा हट जैसे ब्रांड्स को निशाना बनाया जा रहा है, इन पर इस्राइल से जुड़े होने की आशंका में कट्टरपंथियों की भीड़ ने हमला कर दिया। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर भीड़ हिंसक हो उठी। प्रदर्शनकारियों ने कई स्टोर्स में तोड़-फोड़ की और उनके स्टाफ को भी निशाना बनाने की कोशिश की। बोगरा शहर में सैकड़ों की संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और इस्राइल के खिलाफ नारेबाजी की, इस दौरान इस्राइली उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठी और देखते ही देखते भीड़ ने बाटा के शोरूम पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने इस शोरूम पर पत्थर बरसाये, जिससे शीशे की दीवारें टूट गईं। हालांकि, इससे पहले कि भीड़ शोरूम में घुसकर कर्मचारियों को निशाना बनाती, कुछ कर्मियों ने हिम्मत दिखाकर दरवाजे को अंदर से बंद कर लिया। बोगरा सदर पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी एसएम मोइनुद्दीन ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पत्थर से शोरूम का शीशा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश जरूर की लेकिन, इस घटना में कोई हता-हत नहीं हुआ। पूर्व में स्थित सिलहट शहर के मीरबॉक्सतुला क्षेत्र में उपद्रवी भीड़ ने केएफसी के आउटलेट में तोड़-फोड़ कर दी, इस दौरान लोगों ने कोल्ड ड्रिंक की बोतलें इस्राइल से मैन्युफैक्चर होने के शक में इन्हें फोड़ना शुरू कर दिया, इसके बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार और संयुक्त राष्ट्र से इस्राइल पर कार्रवाई करने और गाजा में युद्ध रोकने की मांग उठाई, इसके बाद आउटलेट को बंद कर दिया गया। चटगांव में भी प्रदर्शनकारियों ने केएफसी और पिज्जा हट के आउटलेट पर हमला कर दिया, यहां लोगों ने दुकानों पर पत्थरबाजी की और जूते तक फेंके, इनकी शीशे की दीवारों को भारी नुकसान हुआ। भीड़ को रोकने के लिये चटगांव मेट्रोपोलिटन पुलिस की दो यूनिट्स को भेजा गया। पंचलैश क्षेत्र के पुलिस प्रभारी मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि हम मामले की जांच कर रहे हैं, स्थिति अब शांत है। भीड़ को शाम को ही इलाके से हटा दिया गया था। प्रदर्शन कॉक्स बाजार तक में उग्र हो गये, यहां कालाताली में बड़ी संख्या में लोगों ने जुटकर केएफसी और पिज्जा हट के साइनबोर्ड पर पत्थर बरसाये। एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ग्रुप से बातचीत में कॉक्स बाजार पुलिस स्टेशन के अधिकारी इलियास खान ने बताया कि भीड़ ने रेस्तरां के अंदर घुसकर तोड़-फोड़ नहीं की, वे लोग सिर्फ बाहर रहकर इनके बैनर पर पत्थरबाजी करते रहे। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि कुछ लोगों ने आस-पास की दुकानों को निशाना बनाया। इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच बांग्लादेश में अचानक उग्र हुए प्रदर्शनों ने राजनीतिक तनाव को भी जन्म दे दिया है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि पुलिस इस मामले में उपद्रवियों की पहचान के लिये सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हमले के जिम्मेदारों को पकड़ने के लिये पुलिस ने सोमवार से ही छापेमारी जारी रखी है लेकिन, मोहम्मद यूनुस भी इससे पहले कई मौकों पर फलस्तीन के लिये आवाज उठाते रहे हैं, कुछ समय पहले ही उन्होंने इस्राइल की आलोचना करते हुये, उसे गाजा में आम लोगों, महिलाओं और बच्चों के पीड़ित होने के लिये जिम्मेदार ठहराया था, इसका जिक्र उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के भाषण में भी किया था, अब आवामी लीग ने कहा है कि डॉ. यूनुस को अपना पद छोड़ना चाहिये, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराये जा सकें। वैश्विक समुदाय को अभी कार्रवाई करनी होगी। ऐसा न करना सिर्फ बांग्लादेश के लिये ही नहीं बल्कि, पूरे क्षेत्र और वैश्विक स्थिरता के लिये घातक होगा। चीन में शी जिनपिंग के सामने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस जमकर पूंछ हिलाते दिखे थे। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने भारत के इस संप्रभू क्षेत्र को चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार कहा था और उसे वह बीजिंग से अपने कब्जे में लेने का आग्रह करते दिखे थे।

क्षेत्रीय पार्टियों की बैसाखी कब तक बनी रहेगी काँग्रेस

- दिलीप कुमार पाठक

कांग्रेस अधिवेशन 2025 गुजरात के अहमदाबाद में शुरू हो गया है' कांग्रेस का अधिवेशन हर साल होता है, बड़े से बड़े नेता इकट्ठा होते हैं पार्टी करते हैं चले जाते हैं' केवल अधिवेशन से कुछ नहीं होगा आज मैं जो बात बोलने जा रहा हूं वह हो सकता है कांग्रेस के नेताओं को हजम ना हो' हालांकि सच तो बोलना होगा' सच्चाई यही है कि हर बार अधिवेशन होता है' तमाम तरह के सुझाव निकलते हैं, मंथन होता है लेकिन जमीन पर कुछ दिखाई नहीं देता' कांग्रेस बार-बार एक ही तरह की गलती दोहराती है, एक ही तरह के मुद्दे लेकिन सीख क्या लेती है? अमल क्या करती है जमीन में कहीं दिखाई नहीं देता'

राहुल गांधी बार-बार भाजपा को संविधान विरोधी बोलते हुए आरोप लगाते हैं और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे उठाते हैं' लेकिन कांग्रेस पार्टी और विपक्ष चुनाव लड़ने के लिए राजी हो जाते हैं' राहुल गांधी और कांग्रेस हमेशा कहते हैं कि सदन में हमें बोलने नहीं दिया जाता अगर बोलने नहीं दिया जाता तो आप सब सामूहिक इस्तीफा क्यों नहीं देते! अगर आप सामूहिक इस्तीफा देंगे तो सत्ता के चेहरे पर से नकाब उतर जाएगा' विपक्ष हमेशा ईवीएम का मुद्दा उठाती है लेकिन जब हार जाती है तब जब कर्नाटक, हिमाचल जैसे राज्य कांग्रेस जीत जाती है तब चुप हो जाती है' दर-असल यही कमी दिखती है कि कांग्रेस कहती कुछ हे करती कुछ है' एकतरफा आप ईवीएम का विरोध क्यों नहीं करते? राहुल गांधी हमेशा कहते हैं कि हम जमीन से बदलाव करेंगे पार्टी को खड़ा करेंगे' कांग्रेस पार्टी में ट्विटर चलाने वाले और सोशल मीडिया पर आवाज उठाने वाले नेताओं का जमावड़ा है लेकिन जमीन पर उतर कर काम करने वालों की भारी कमी है' कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन लड़के ने बिल्कुल सही कहा है - हम मुस्लिम, दलितो में उलझे रहे और हमारा जो हमारा कोर वोटर ओबीसी हमेशा हमारे साथ रहा है, वह हमसे छटक गया है' यह सच है जिसकी तरफ ओबीसी वोट होगा उसकी सत्ता होगी तो केवल अधिवेशन से सत्ता में वापसी कांग्रेस कर पाएगी ये वास्तविकता से विपरीत है' कांग्रेस की तुलना में भाजपा का थिंकटैंक बहुत ही सुदृढ़ है' भाजपा एक चुनाव के बाद अगले चुनाव की रणनीति में लग जाती है जबकि कांग्रेस सबसे ज़्यादा यहीं पिछड़ती है' कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन जैसे भाजपा लगभग लगभग राज्य में हर महीने में एक बार कर लेती है उनका अपने कार्यकताओं के साथ संवाद अच्छा है' क्योंकि चुनावी मैनेजमेंट में उनका आजकल कोई सानी नहीं है' देखिए नैतिकता एक अलग चीज होती है वह सब ठीक है लेकिन चुनाव जीतना जमीन पर लड़ते हुए दिखाई देना वह एक अलग बात होती है' उदाहरण के तौर पर मल्लिकार्जुन खडगे ने एक जरूरी बात कही है कि कांग्रेस को राज्यों में अपने दम पर अपना संगठन खड़ा करना चाहिए' रीजनल पार्टियों की पिछलगू बनकर कांग्रेस का जनाधार खत्म ही हो रहा है , साथ ही जो छोटा से छोटा कार्यकर्ता है जो अपनी पार्टी को जीता है, जब पार्टी बड़े से बड़े राज्यों में अपनी दम पर चुनाव ही नहीं लड़ती यही कारण है कि उनका मनोबल गिर जाता है' किसी भी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं'

आज का राशिफल

मेष करियर के लिहाज से अच्छा है और आपको करियर व कारोबार में तरक्की मिलने की संभावना है।	**तुला** आज दिन शुभ नहीं है और आपको जोखिम से भरा कोई काम न करने की सलाह दी जाती है।
वृषभ आज भाग्य साथ देगा और आपका दिन सफलता से भरा होगा। आपको लाभ और तरक्की हासिल होगी।	**वृश्चिक** दिन अस्त-व्यस्त रहेगा। कई तरह के विवाद और झंझटों का सामना करना पड़ सकता है।
मिथुन आज दिन शुभ है और आपको कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी।	**धनु** आज लाभ होगा और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे।
कर्क लाभ होगा और आपको हर कार्य में तरक्की हासिल होगी। करियर में सफलता मिलेगी।	**मकर** सुबह से ही काफी अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप दिनभर भागदौड़ करते रहेंगे।
सिंह आज दिन लाभ से भरा होगा और आपको हर प्रकार की तरक्की हासिल होगी।	**कुंभ** आज दिन काफी व्यस्त रहेगा और आपको एक साथ कई सारे काम करने पड़ सकते हैं।
कन्या आपको धन सम्मान के मामले में फायदा होगा। दिन कुछ असमंजस से भरा होगा।	**मीन** आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी तरक्की से मन काफी प्रसन्न होगा।

विशेष

पीयूष गोयल की कारपोरेट जगत को चुनौती

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के बड़े-बड़े कारपोरेट जगत को जिस तरह से चुनौती दी है। उसको बड़ी हिम्मत का काम बताया जा रहा है। पीयूष गोयल हमेशा राज्यसभा से चुने जाते थे। इस बार वह लोकसभा का चुनाव जीतकर केंद्रीय मंत्री बने हैं। इस बार उन्होंने बड़ी हिम्मत कर-के भारतीय कारपोरेट जगत को चुनौती देते हुए कहा , जब सारी दुनिया के कॉर्पोरेट एआई और ईवी और तकनिकी क्षेत्र में सारी दुनिया में अपना झंडा गाढ़ रहे हैं। तब भारत के उद्योगपति फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रोसरी,बैटिंग और गेमिंग के एप बना रहे हैं। यह कहकर उन्होंने भारतीय उद्योगपतियों की हकीकत को उजागर कर सीधे-सीधे चुनौती दी है। उद्योगपति इस चुनौती को किस तरीके से लेंगे, इसका पता तो भविष्य में ही चलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बताई राज्यपालों की हैसियत

पिछले कुछ वर्षों से राज्यपाल राज्य सरकारों के ऊपर शासन कर रहे थे। संवैधानिक शक्तियां लेकर जिस तरह से राजनीतिक एजेंडा राज्यपाल चला रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में राज्यपालों को उनके अधिकार बता दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया है राज्यपाल के सीमित अधिकार हैं। संविधान के अनुसार चुनी हुई सरकार बड़ी है। जिस तरह की फटकार सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को लगाई है। उसमें सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों की क्या औकात है। इसको बता दिया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1545 फ्रांस नरेश फ्रांसिस प्रथम ने वादोइस प्रोटेस्टेन्टों के संहार का आदेश जारी किया. 1654 आयरलैंड और स्काटलैंड इंग्लैंड से मिल गये. 1850 फ्रांसीसी फौजों ने रोम पर कब्जा किया. 1864 अमेरिका में गृहयुद्ध शुरू हुआ. 1945 अमेरिका राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट का निधन हुआ और हैरी एस. ट्रूमस राष्ट्रपति बने. 1957 पश्चिम जर्मनी के वैज्ञानिकों नें परमाणु बम बनाने या उसके परीक्षण में सहयोग देने से इंकार कर दिया. 1964 सोवियत संघ ने यूरी गागरिन को अंतरिक्ष में भेजा . 1966 उत्तर वियतनाम पर अमेरिकी विमानों ने पहली बार बमबारी की. 1978 भारतीय रेलवे के 425 वर्ष पूरे होने पर मुम्बई के विक्टोरिया टर्मिनल से पुणे तक सिंहगढ़ एक्सप्रेस चलाई गयी. 1987 सोवियत संघ के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष माडयूल को अंतरिक्ष केन्द्र मीर से जोड़ने में सफल रहे.

दैनिक पंचांग

12 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.52 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	07.32 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.30 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.43 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.59 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.11 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.22 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.37 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.53 बजे से
		मकर	00.58 बजे से
		कुंभ	02.44 बजे से
		मीन	04.17 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 102 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा अहोरात्र।
नक्षत्र हस्त 18.08 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 20.40 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 16.36 बजे तदनन्तर बव 05.52 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872312
जूलियन दिन 2460777.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 13
विशेष हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हनुमान जन्मोत्सव पर बजरंगबली को चढ़ाएं ये फूल

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पावन दिन माता अंजनी और वानरराज केसरी के घर वीर बजरंगबली का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन भक्त न केवल बजरंगबली की, बल्कि प्रभु श्रीराम और माता सीता की भी विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि श्री राम के बिना हनुमान जी की आराधना अधूरी होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि हनुमान जन्मोत्सव के दिन उन्हें कौन-से फूल अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त हो सकता है। चलिए, इस विषय में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानते हैं कि कौन-से पुष्प हनुमान जी को प्रसन्न कर सकते हैं।

बजरंगबली को चढ़ाएं मोगरे का फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाना अत्यंत शुभ और फलदायक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मोगरे का फूल पवित्रता, शांति और भक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी को विशेष रूप से प्रिय होता है। मोगरे के सफेद फूलों की सौम्यता और सुगंध वातावरण को शुद्ध करती है और पूजा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

हनुमान जी को मोगरे के फूल चढ़ाने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक बल की प्राप्ति होती है। साथ ही, यह ग्रह दोषों को शांत करने में भी सहायक माना जाता है, विशेष रूप से शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने में। ऐसा भी माना जाता है कि मोगरे के फूल चढ़ाने से हनुमान जी शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसलिए, हनुमान जन्मोत्सव पर मोगरे के फूलों से हनुमान जी का श्रृंगार करना अत्यंत शुभ फल देने वाला होता है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गेंदे के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर हनुमान जी को गेंदे का फूल अर्पित करना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गेंदे का फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला और वातावरण को शुद्ध करने वाला होता है, जो कि हनुमान जी की उपासना में विशेष महत्व रखता है। विशेष रूप से पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूल हनुमान जी को अत्यंत प्रिय हैं, क्योंकि ये ऊर्जा, उत्साह और शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं जो स्वयं हनुमान जी के स्वरूप से मेल खाते हैं।

गेंदे के फूल चढ़ाने से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, शत्रुओं पर विजय मिलती है और साहस तथा आत्मबल में वृद्धि होती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि यदि कोई व्यक्ति मंगलवार या हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा पूर्वक हनुमान जी को गेंदे के फूल चढ़ाता है, तो उसकी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती हैं और उसे विशेष रूप से शनि दोष, भय और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।

बजरंगबली को चढ़ाएं गुलाब के फूल

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी को गुलाब का फूल चढ़ाना बेहद शुभ और फलदायक माना जाता है। गुलाब का फूल प्रेम, भक्ति और शक्ति का प्रतीक है, और यह हनुमान जी की आराधना में विशेष स्थान रखता है। खासकर लाल गुलाब, जो हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है, उन्हें चढ़ाने से भक्त की सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रकट होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुलाब का फूल चढ़ाने से मन की नकारात्मकता दूर होती है, आत्मबल में वृद्धि होती है और व्यक्ति के अंदर साहस एवं स्थिरता का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि गुलाब का फूल हनुमान जी को प्रसन्न करता है और वे अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही यह उपाय राहु, केतु और शनि जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव को भी शांत करने में सहायक होता है। यदि हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्रद्धा और विश्वास से गुलाब के फूलों से हनुमान जी की पूजा की जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि, सुरक्षा और सफलता के मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाते हैं।

संकट कटे मिटे सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जन्मोत्सव धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे। शिव परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अतः हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं -

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं।

उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
- यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जी के 12 अत्यंत शुभ और मांगलिक नाम

बजरंगबली के 12 नाम का स्मरण करने से ना सिर्फ उम्र में वृद्धि होती है बल्कि समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति भी होती है। 12 नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश-पाताल से रक्षा करते हैं। यह नाम व्यक्ति को मनचाही सफलता देते हैं। प्रस्तुत है बजरंग बली के 12 चमत्कारी नाम :

- हनुमान
- अंजनीसुत
- वायुपुत्र
- महाबल।
- रामेष्ठ
- फाल्गुण सखा
- पिंगाक्ष।
- अमित विक्रम
- उदधिक्रमण।
- सीता शोक विनाशन
- लक्ष्मण प्राणदाता।
- दशग्रीव दर्पहा।

12 नाम की अलौकिक महिमा

- प्रातः काल सो कर उठते ही जिस अवस्था में भी हो बारह नामों को 11 बार लेनेवाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- नित्य नियम के समय नाम लेने से इष्ट की प्राप्ति होती है।
- दोपहर में नाम लेनेवाला व्यक्ति धनवान होता है। दोपहर संध्या के समय नाम लेनेवाला व्यक्ति पारिवारिक सुखों से तृप्त होता है।
- रात्रि को सोते समय नाम लेनेवाले व्यक्ति की शत्रु से जीत होती है।
- उपरोक्त समय के अतिरिक्त इन बारह नामों का निरंतर जप करने वाले व्यक्ति की श्री हनुमानजी महाराज दसों दिशाओं एवं आकाश पाताल से रक्षा करते हैं।
- लाल स्याही से मंगलवार को भोजपत्र पर ये बारह नाम लिखकर मंगलवार के दिन ही ताबीज बांधने से कभी सिरदर्द नहीं होता। गले या बाजू में तांबे का ताबीज ज्यादा उत्तम है। भोजपत्र पर लिखने के काम आनेवाला पेन नया होना चाहिए।

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् र्वायु पुत्रो महाबलः।
रामेष्टः फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रमः॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशनः।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मनः।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च यः पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

पंचग्रही युति योग में 12 अप्रैल को मनेगा हनुमानजी का प्रकटोत्सव, 57 साल बाद हो रहा ऐसा

हनुमान जन्मोत्सव देशभर में मनाया जाता है। उस दिन हनुमान मंदिरों में सुबह अभिषेक पूजन, दिन में श्रृंगार तथा शाम को महाआरती व महाप्रसादी के आयोजन होंगे। कहीं-कहीं पालकी यात्रा भी निकाली जाती है। हनुमानजी पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण करते हैं। चैत्र पूर्णिमा पर 12 अप्रैल को पंचग्रही युति योग में हनुमानजी का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। हनुमान जन्मोत्सव पर इस बार 57 साल बाद पंचग्रही युति योग बन रहा है। इस योग में हनुमान आराधना सुख, समृद्धि व ग्रहों की अनुकूलता के लिए विशेष मानी गई है। इस दिन विशेष रूप से शनि, मंगल व राहु की शांति के लिए केसरी नंदन का वंदन शुभफलदायी है।

पिछली बार 1968 में बना था ऐसा योग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पंचग्रही युति का ऐसा ही योग वर्ष 2025 से पहले सन 1968 में बना था। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में विशेष पर्व, त्योहार पर ग्रह,नक्षत्र व योगों का विशेष महत्व है। इनकी साक्षी में संबंधित देवी, देवता की आराधना करने से विशिष्ट फल की प्राप्ति होती है। साधना, आराधना से शुभ फल की प्राप्ति का ऐसा ही एक और अवसर 12 अप्रैल को प्राप्त होने वाला है। इस दिन पांच ग्रहों की साक्षी में संकट मोचन हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि व राहु की युति बन रही है। पंचग्रही युति में किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए हनुमानजी की पूजा अर्चना करना शुभ रहेगा। मान्यता के अनुसार, जातक की जन्म कुंडली में शनि, मंगल व राहु सप्तम, अष्टम भाव में हो तो हनुमानजी की आराधना करना चाहिए। हनुमानजी की कृपा से ही पाप ग्रहों के अशुभ फल से मुक्ति मिलती है।

शनिदेव की कृपा पाने के लिए करें ये उपाय

न्याय के देवता शनि 29 मार्च को कुंभ राशि को छोड़कर मीन राशि में प्रवेश कर गए हैं। मेष राशि वाले जातकों की साढ़े साती शुरू हो गई है। कुंभ राशि वालों का अंतिम ढैया व मीन राशि वालों के लिए द्वितीय ढैया है। इन राशि वालों को हनुमान जन्मोत्सव पर शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए उपाय करना चाहिए।

धनु, सिंह व तुला राशि के जातकों को भी शारीरिक सुरक्षा व मानसिक शांति के लिए हनुमानजी की आराधना करना चाहिए। यह धार्मिक कार्य फलदायी हनुमानजी की प्रसन्नता के लिए हनुमान चालीसा, हनुमान स्तोत्र, हनुमान वडवालन स्तोत्र, हनुमान साठिका, पंचमुखी हनुमान कवच का पाठ यथा श्रद्धा करने से सुख, शांति, स्वास्थ्य, आयु, आरोग्य की प्राप्ति होती है।

श्री हनुमान पूजन के 10 नियम 10 सावधानियां और सबसे सही तरीका

चैत्र माह की शुक्ल पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जन्म उत्सव पर हनुमानजी की पूजा कर रहे हैं जो जान लें 10 नियम और 10 सावधाधियां।

- हनुमान पूजा में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा स्थल की साफ सफाई अच्छे से कर लें।
- हनुमान पूजा को विशेष मुहूर्त में ही करें या सुबह और शाम को ही करें।
- हनुमान पूजा में उपयोग किए गए फूल लाल रंग के रखें।
- पूजा के के लिए दीपक में जो बाती लगाई जा रही है वह भी लाल सूत (धागे) की होनी चाहिए।
- हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद जरूर अर्पित करें। इसके आलावा चाहें तो केसरिया बूंदी के लड्डू, बेसन के लड्डू, चूरमा, मालपुआ या मलाई मिश्री का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा में आरती के बाद हनुमान चालीसा के अलावा यदि आप बजरंगबाण या सुंदरकाण्ड का पाठ कर रहे हैं तो नियम जान लें।
- हनुमानजी की पूजा के साथ ही माता अंजनी, जानकरी, श्रीराम और लक्ष्मण की पूजा करना भी जरूरी रहता है।
- हनुमान पूजा के दौरान जो दीपक जला रहे हों उसमें चमेली का तेल या शुद्ध घी होना चाहिए।
- सिर्फ एक वस्त्र पहनकर ही उनकी पूजा करें।
- हनुमान मूर्ति या चित्र को लकड़ी के पाठ पर लाल कपड़ा बिछाकर स्थापित करें और खुद कुश के आसन पर बैठकर ही पूजा करें।

हनुमान पूजा की 10 सावधानियां

- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही मांस, मदिरा आदि का सेवन करना छोड़ दें।
- जिस दिन पूजा करना हो उसके एक दिन पूर्व से ही ब्रह्मचर्य का पालन करना प्रारंभ करें और मन में किसी भी प्रकार का कामुक विचार न रखें।
- हनुमान पूजा के बीच में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्सपन्न न हो इसका ध्यान रखें।
- यदि घर में सूतककाल चल रहा है तो पूजा न करें।
- हनुमान पूजा में तुलसी, चरणामृत या पंचामृत का उपयोग नहीं करें।
- महिलाएं हनुमानजी को वस्त्र, जनेऊ या चोला अर्पित न करें।
- महिलाओं को महावारी के दौरान पूजा से दूर रहना चाहिए।
- हनुमानजी की किसी भी प्रकार से तांत्रिक पूजा नहीं की जानी चाहिए।
- हनुमानजी का व्रत रख रहे हैं तो नमक, मिर्च और अनाज के सेवन से बचें।
- हनुमानजी को अर्पित किए गए भोग या प्रसाद शुद्ध घी में बने हुए होना चाहिए।

अब और नहीं बेचनी पॉलिसी, कुछ करना है... लुधियाना के इस शख्स ने ऐसे खड़ा कर लिया 100 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। लुधियाना के बिक्रमजीत सिंह ने ऑर्गेनिक फार्मिंग को सफल व्यवसाय में बदला है। उन्होंने जैविक खेती के महत्व को समझकर इसे 100 करोड़ रुपये की कंपनी में तब्दील कर दिया। बिक्रमजीत ने कृषि तकनीक और नए तरीकों का इस्तेमाल करके स्थानीय किसानों को सशक्त बनाया है। उनकी सफलता की कहानी कई युवा किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने हेल्दी अर्थ ब्रांड बनाया है। ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी खोले हैं। इसके साथ ही, बिक्रमजीत ने जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के संगठन के जरिये युवाओं को विदेश जाने से रोका है। वह कृषि और उद्योग को मिलाकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। आइए, यहां बिक्रमजीत सिंह की सफलता के सफर के

बारे में जानते हैं।

बिक्रमजीत सिंह का कृषि से उद्योग तक का सफर बहुत खास है। 2005 में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने पहले एक बीमा कंपनी में काम किया। वह 9 से 5 की नौकरी करते थे। साथ ही, उन्होंने 2.75 एकड़ जमीन पर खेती भी शुरू की। अनार के बागान में नुकसान होने पर बिक्रमजीत ने नींबू की खेती शुरू की। 2010 में एमबीएम करने के बाद उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में एंट्री की। लेकिन, उनकी असली दिलचस्पी खेती में ही थी। 2014 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला लिया। उस समय तक वह खेती से अच्छी कमाई करने लगे थे।

बिक्रमजीत सिंह ने 200 एकड़ लीज पर जमीन लेकर जैविक खेती को बढ़ाया। उन्होंने 100 एकड़ में फलों के बाग लगाए। बाकी 100 एकड़ में गेहूं, बासमती चावल, मक्का, गन्ना और सब्जियां उगाईं। ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति उनके जुनून ने उन्हें कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की ओर आगे बढ़ाया। अब उनके साथ 600 किसान 8,000 एकड़ जमीन पर जैविक खेती कर रहे हैं। किसानों को वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से ऊपर की कीमतें देते हैं। इससे उन्हें अच्छी आय होती है।

हेल्दी अर्थ ब्रांड की रखी नींव

अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए बिक्रमजीत ने हेल्दी अर्थ ब्रांड की स्थापना की। उनके स्टोर में 216 से ज्यादा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, उन्होंने ऑर्गेनिक फूड रेस्टोरेंट भी शुरू किए हैं। मेनू में रागी मुख्य आकर्षण है। यह पोषण का पावरहाउस होता है। बिक्रमजीत युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। भले ही उनके चचेरे भाई विदेश चले गए हों, लेकिन वह पंजाब में रोजगार के अवसर पैदा करना चाहते हैं।

पिछले दो साल में बिक्रमजीत ने सैकड़ों युवाओं को विदेश जाने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने किसानों को बेहतर आजीविका प्रदान की है। जनरेशन ऑफ फार्मिंग नाम के एक संगठन के जरिये उन्होंने जैविक खेती में क्रांति ला दी है। उनका लक्ष्य कृषि और खुदरा क्षेत्र में नौकरियां पैदा करना है। बिक्रमजीत की सफलता की कहानी कृषि और उद्योग को मिलाने के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक तकनीक, स्मार्ट मैनेजमेंट कौशल और स्थानीय किसानों के सहयोग से उन्होंने 100 करोड़ रुपये का व्यवसाय खड़ा कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ नागरिकों की रियायत वापस लेकर 5 साल में 8913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत एक आवेदन पर रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) से प्राप्त जवाब के अनुसार, भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच वर्षों में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सीआरआईएस रेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और विभिन्न अन्य सेवाएं प्रदान करने के अलावा टिकटिंग और यात्रियों के आंकड़ों का रखरखाव भी करता है।वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों की ओर से उठाया गया है। इसके जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत देता है। 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी। कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने यह सुविधा वापस ले ली थी।आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त यात्रियों के साथ-साथ उनसे प्राप्त राजस्व के आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की।

कर प्रोत्साहन उपाय भारतीय अर्थव्यवस्था को टैरिफ की मार से बचाने में मददगार, व्यापार संतुलन पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ से जुड़े जोखिमों को देखते हुए मूडीज एनालिटिक्स ने 2025 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को 0.3 फीसदी घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया है। मार्च में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया था। वित्तीय सेवा कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा, अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। इसलिए, भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने से व्यापार संतुलन पर भारी असर पड़ेगा। हालांकि, 2025-26 के बजट में घोषित टैक्स प्रोत्साहन उपायों से घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और इससे अन्य कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में समग्र वृद्धि पर टैरिफ के झटके को कम करने में मदद मिलेगी।

रेपो दर में फिर होगी 0.25 फीसदी कटौती

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सकल महंगाई में अच्छी रफ्तार से कमी आ रही है। इससे आरबीआई को उदार रुख कायम रखने में मदद मिलेगी।मूडीज ने ब्याज दरों के मोर्चे पर कहा, हमें उम्मीद है कि आरबीआई रेपो रेट में एक बार फिर 0.25 फीसदी की कटौती करेगा। इससे साल के अंत तक प्रमुख नीतिगत दर घटकर 5.75 फीसदी रह जाएगी। मूडीज ने 'एपीएसी आउटलुक : यूएस वर्सेज देम' रिपोर्ट में कहा, भारत पर 26 फीसदी अमेरिकी टैरिफ से रत्न एवं आभूषण, चिकित्सा उपकरण और कपड़ा उद्योग सबसे बुरी तरह प्रभावित होंगे। इन क्षेत्रों की अमेरिका को होने वाले निर्यात में अधिक हिस्सेदारी है। फिर भी, हम उम्मीद करते हैं कि समग्र वृद्धि इस झटके से अपेक्षाकृत अछूती रहेगी क्योंकि बाहरी मांग जीडीपी का काफी छोटा हिस्सा है।

अमेरिका-चीन की लड़ाई में सोने की मौज, 1,700 रुपये उछल गई कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर बढ़ने से सोना रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। व्यापार को लेकर तनाव बढ़ गया है। इस वजह से सोना अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। निवेशकों को मंदी की आशंका डरा रही है और इसलिए वे सोने में पैसा लगा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें को सबसे सुरक्षित माना जाता है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी कीमत पहली बार 3,200 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर बाकी देशों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। लेकिन चीन से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। अब चीन से आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

एमसीएक्स पर जून डिलीवरी वाला सोना सुबह 10.30 बजे 1233 रुपये यानी 1.34 फीसदी तेजी के साथ 93,266 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती कारोबार में यह 93,736 रुपये तक उछला। चांदी भी 763 रुपये की तेजी के साथ 92,358 रुपये प्रति

किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत 1 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,217.43 प्रति औंस तक पहुंची। इस हफ्ते सोने के दाम में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका में सोने का वायदा कारोबार 1.5 प्रतिशत बढ़कर 3,226.50 पर पहुंच गया। अक्टूबर 2022 से इसमें 90 फीसदी तेजी आई है।

आगे कैसी रहेगी चाल- इस साल सोने की मांग बहुत ज्यादा रही है। कई देशों के सेंट्रल बैंकों ने जमकर सोना खरीदा है। लोगों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा। मध्य पूर्व और यूरोप में राजनीतिक अस्थिरता है। इसलिए भी लोग सोने में पैसा लगा रहे हैं। सोने में निवेश करने वाले श्वञ्ज्ञस्न में भी ज्यादा पैसा आ रहा है। गुरुवार के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में सामान की कीमतें मार्च में गिर गई हैं। लेकिन ट्रंप ने चीन पर जो टैक्स बढ़ाया है, उससे महंगाई बढ़ने का खतरा है।

इस खबर के बाद कारोबारियों को लग रहा है कि फेड जून में फिर से ब्याज दरें कम करेगा। शायद साल के अंत तक ब्याज दरें 1 प्रतिशत तक कम हो जाएं। सोने को हमेशा से ही राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई से बचने का एक तरीका माना जाता है। इस साल सोने के दाम में 21 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोने की बढ़ती कीमत दिखाती है कि दुनिया में डर का माहौल है। लोग अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखना चाहते हैं, इसलिए वे सोना खरीद रहे हैं। आने वाले दिनों में सोने की कीमत और भी बढ़ सकती है।

विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में बाजार में लगाए पांच अरब डॉलर, बीएफएसआई में सर्वाधिक निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी व घरेलू निवेशकों ने मार्च में शेयर बाजार में पांच अरब डॉलर निवेश किया। जेएम फाइनेंशियल सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 97.5 करोड़ डॉलर व घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कुल 4.3 अरब डॉलर का घरेलू इक्विटी बाजार में निवेश किया है।

बाजार में एफआईआई की बढ़ती हिस्सेदारी

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च की शुरुआत से लेकर 19 तारीख तक एफआईआई शेयर बाजार में शुद्ध विक्रेता थे। लेकिन, आखिरी हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने बड़े स्तर पर खरीदारी की और 3.6 अरब डॉलर से अधिक निवेश किया। इस कारण बाजार में एफआईआई की हिस्सेदारी बढ़कर 16.8 फीसदी हो गई है, जो फरवरी में 15.9 फीसदी थी।

एफआईआई ने किन क्षेत्रों में किया सर्वाधिक निवेश

जिन क्षेत्रों में एफआईआई ने सबसे अधिक निवेश किया, उनमें बैंकिंग, वित्तीय और बीमा सेवाएं (बीएफएसआई), दूरसंचार और मेटल शामिल थे। बीएफएसआई में 1.7 अरब डॉलर, टेलीकॉम में 36 करोड़ डॉलर और मेटल में 21.9 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया।एफआईआई का 60 फीसदी से अधिक निवेश बीएफएसआई, आईटी, तेल-गैस, ऑटो और फार्मा में था। भारत में एफआईआई की कुल संपत्ति में मार्च में बीएफएसआई की हिस्सेदारी बढ़कर 31.2 फीसदी पहुंच गई।

टमाटर हुआ काफी महंगा...1,300 रुपए प्रति नग टमाटर बिका!

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक टमाटर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसकी कीमत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यह टमाटर किसी साधारण फल की तरह नहीं, बल्कि एक विशेष किस्म का है, जिसकी कीमत 1,300 प्रति नग है। इतनी ऊंची कीमत के बावजूद, यह टमाटर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और लोग इसकी गुणवत्ता और विशेषताओं के बारे में चर्चा कर रहे हैं। भारत में टमाटर की कीमतें हाल के महीनों में काफी उतार-चढ़ाव से गुजर रही हैं। अक्टूबर 2024 में, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में टमाटर की कीमत 100 प्रति किलो तक पहुंच गई थी, जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हुई थी। इसके बाद, सरकार ने टमाटर की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए, जैसे रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री शुरू करना।

इस विशेष टमाटर की सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की, मुझे इस टमाटर की जिंदगी जीनी है। दूसरे ने कहा, अमीर लोग गरीब लोगों की मदद करने के लिए इस तरह की चीजें खरीदने को ढूंढ़ लेते हैं। तीसरे ने लिखा, इस टमाटर की जिंदगी मेरी जिंदगी से ज्यादा अच्छी है।?

यह घटना इस बात को दर्शाती है कि सोशल मीडिया पर कभी-कभी ऐसी चीजें वायरल हो जाती हैं, जो हमारी सोच से परे होती हैं। यह टमाटर न केवल अपनी ऊंची कीमत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके साथ जुड़े हास्यप्रसंग भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।?

मां राजस्थान पिता एमपी से, बेटे ने ब्रिटेन में कमाया बड़ा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल के निखिल राठी को ब्रिटेन के फाइनेंशियल कंडक्ट अथॉरिटी के सीईओ के रूप में दूसरा कार्यकाल मिला है। वित्त मंत्री रेचल रीव्स ने उन्हें फिर से नियुक्त किया है। राठी अगले पांच साल तक इस पद पर बने रहेंगे। सरकार का मानना है कि राठी का नेतृत्व आर्थिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एफसीए वित्तीय बाजारों और 40,000 से ज्यादाफाइनेंशियल सर्विस कंपनियों का रेगुलेटर है। यह सुनिश्चित करता है कि ये सभी कंपनियां नियमों का पालन करें।

रेचल रीव्स ने कहा कि निखिल राठी ने सरकार के सुधार एजेंडे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह चाहती हैं कि राठी आर्थिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए और प्रयास करें। उन्होंने यह बात ब्रिटेन के ट्रेजरी विभाग से एक बयान में कही। रीव्स ने कहा, निखिल राठी इस सरकार के विनियमन को सुधारने के प्रयासों में महत्वपूर्ण रहे हैं ताकि यह विकास का समर्थन करे और निवेश को बढ़ावा दे। मुझे खुशी है कि वह एफसीए के नेतृत्व को जारी रखेंगे।

राठी एफसीए का करेंगे नेतृत्व

ट्रेजरी विभाग ने कहा कि राठी एफसीए का नेतृत्व करेंगे। एफसीए का टारगेट ब्रिटेन को

व्यापार करने के लिए सबसे अच्छी जगह बनाना है। इसके लिए अनावश्यक और पुराने नियमों को हटाया जाएगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उपभोक्ताओं को नुकसान से बचाया जा सके और उन्हें बाजारों पर भरोसा हो।

अपनी दोबारा नियुक्ति पर राठी ने कहा कि एफसीए उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था के लिए एक निष्पक्ष और संपन्न वित्तीय सेवा क्षेत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण काम करता है। उन्होंने कहा, मुझे उन सुधारों पर गर्व है जो हमने विकास का समर्थन करने, परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने, ऊंचे मानक स्थापित करने और अपने बाजारों को स्वच्छ और खुला रखने के लिए किए हैं। हालांकि, हमें इस अस्थिरता के युग में और आगे और तेजी से बढ़ना चाहिए। ब्रिटेन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक है।

45 वर्षीय निखिल राठी का जन्म उत्तरी इंग्लैंड में हुआ था। उनके माता-पिता मधु और डॉ.राजेंद्र राठी राजस्थान और मध्य प्रदेश से हैं। राठी ने चेत्विंडे स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। फिर उन्होंने सेंट ऐनीज कॉलेज, ऑक्सफोर्ड से दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी की डिग्री हासिल की। वह कम्ब्रिया अंडर-12 टेनिस चैंपियन भी थे। उन्हें पहली बार 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एफसीए का सीईओ नियुक्त किया था।

कोहली ने विदेशी नहीं देशी कंपनी पर खेला दांव, प्यूमा से 110 करोड़ की डील की खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर क्रिकेटर और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पति विराट कोहली ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनी पुमा के साथ 110 करोड़ रुपये का करार खत्म कर दिया है। अब वे एगिलिटास नाम के एक भारतीय स्पोर्ट्सवियर स्टार्टअप में पैसा लगाएंगे। उनका लक्ष्य है कि भारत से एक बड़ा स्पोर्ट्सवियर ब्रांड बनाया जाए। एगिलिटास कंपनी को साल 2023 में अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था। अभिषेक पहले पुमा इंडिया और साउथ-ईस्ट एशिया के एमडी थे। वे कई सालों से कोहली के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने ही साल 2017 में कोहली को पुमा से जोड़ा था। अभिषेक गांगुली ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। लेकिन, पुमा के एक प्रवक्ता ने कहा, स्पोर्ट्स ब्रांड पुमा इंडिया क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर विराट कोहली के साथ अपनी लंबी साझेदारी खत्म करने की पुष्टि करता है। पुमा विराट को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है और कहा कि यह उनके साथ कई वर्षों, कई उत्कृष्ट अभियानों और पथ-ब्रेकिंग उत्पाद सहयोगों का एक अद्भुत जुड़ाव था। इसका

मतलब है कि पुमा ने कोहली को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कोहली के साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव था। सबसे पहले मिन्ट नाम की वेबसाइट ने इस खबर को छापा था।

कोहली का अपना ब्रांड वन8 है। इसे कोहली ने साल 2017 में शुरू किया गया था। अब यह ब्रांड भी एगिलिटास के तहत काम करेगा। कंपनी भारत और दुनिया भर में वन8 को बढ़ाने में मदद करेगी।

कोहली के लिए यह सिर्फ बिजनेस नहीं

एक सूत्र ने बताया कि कोहली का पुमा से अलग होना सिर्फ एक बिजनेस फैसला नहीं है। 2017 में, कोहली ने पेप्सिको का विज्ञापन करना छोड़ दिया था। उन्हें लग रहा था कि वे मीठे ड्रिंक्स को बढ़ावा दे रहे हैं। एगिलिटास के साथ जुड़ने का फैसला भी कुछ ऐसा ही है। वे कुछ अच्छा करना चाहते हैं। सूत्र ने कहा, विराट एक निवेशक के तौर पर आगे आ रहे हैं। वे एक ऐसा भारतीय स्पोर्ट्सवियर ब्रांड बनाना चाहते हैं जो दुनिया भर में मशहूर हो और भारतीय प्रतिभा को बढ़ावा दे। इसका मतलब है कि कोहली चाहते हैं कि भारत का एक ऐसा ब्रांड बने जो पूरी दुनिया में जाना जाए और भारत के खिलाड़ियों को मदद करे।

भारतीय रियल एस्टेट में जनवरी-मार्च में इक्विटी निवेश 74 प्रतिशत बढ़ा: सीबीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च अवधि में सालाना आधार पर इक्विटी निवेश 74 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.9 अरब डॉलर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई के अनुसार, ''जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान निवेश प्रवाह मुख्य रूप से डेवलपर गतिविधि और रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) और संस्थागत निवेशकों की महत्वपूर्ण रुचि से प्रेरित रहा। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 में कुल इक्विटी निवेश 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, ''वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार जुझारूपन दिखा रहा है और निवेशकों की निरंतर रुचि आकर्षित कर रहा है।

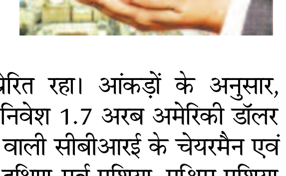

काशवी ने चमकाया चंडीगढ़ का नाम

भारतीय टीम में मिली जगह, पांड्या हैं रोल मॉडल

चंडीगढ़, एजेंसी। काशवी गौतम ने चंडीगढ़ और यूटीसीए का नाम रोशन किया है। काशवी शहर की पहली महिला क्रिकेटर बनी है जिनका चयन भारतीय महिला टीम में हुआ है। काशवी ऑलराउंडर हैं और वह हार्दिक पांड्या को अपना रोल मॉडल मानती हैं। सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ की युवा ऑलराउंडर काशवी गौतम को श्रीलंका में 27 अप्रैल से शुरू होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चुना गया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली काशवी गौतम यूटीसीए (यूटी क्रिकेट एसोसिएशन) की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम में काशवी को सम्मानित किया। संजय टंडन ने कहा कि काशवी भारतीय टीम की जर्सी पहनने वाली यूटीसीए की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करिअर के लिए बल्कि चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए भी ऐतिहासिक है। इस समारोह में काशवी के माता-पिता सुदेश शर्मा और सीमा शर्मा भी मौजूद रहे।

देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु–दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रहीं काशवी

काशवी को 2025 महिला प्रीमियर लीग में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चुना गया था, जहां उन्होंने गुजरात जायंट्स के लिए खेलते हुए 9 मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज थीं। वर्तमान में, वह देहरादून में वरिष्ठ महिला बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में खेल रही हैं, जहां उन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद शतक (106 रन) शामिल है।

पांड्या हैं रोल मॉडल, हरमनप्रीत कौर काशवी की आदर्श कप्तान

काशवी ने बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर उनकी आदर्श कप्तान हैं। वहीं राष्ट्रीय पुरुष टीम में हार्दिक पाड्या उनके रोल मॉडल हैं। काशवी ने कहा कि हरमन की कप्तानी में खेलना मेरे लिए गर्व की बात होगी। काशवी का चयन ऐसे समय में हुआ है, जब भारतीय महिला टीम सितंबर-अक्तूबर 2025 में अपने घर में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैरी कर रही है।

कुछ चीजों पर कंट्रोल नहीं होता

● आईपीएल 2025 से बाहर होने पर बोले ऋतुराज गायकवाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से बाहर होने वाले ऋतुराज गायकवाड़ का बयान सोशल मीडिया पर जारी किया है। गायकवाड़ 30 मार्च को कोहनी में लगी चोट के कारण शेष सीजन से बाहर हो गए। उन्हें 30 मार्च को लगी थी। हालांकि, उन्होंने उस चोट के बावजूद दो मैच खेले, लेकिन अंततः उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। गायकवाड़ की अनुपस्थिति में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी एमएस धोनी के हाथों में होगी। गुरुवार देर रात सीएसके ने सोशल मीडिया पर गायकवाड़ का एक वीडियो अपलोड किया। इसमें उन्होंने सीजन से बाहर होने पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि धोनी की कप्तानी में चीजें बदलेंगी।

ऋतुराज गायकवाड़ ने वीडियो में कहा, दुर्भाग्यपूर्ण कोहनी की चोट के कारण आईपीएल से बाहर होने से वाकई बहुत दुखी हूं। लेकिन अब तक आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हां, हम कुछ समय से संघर्ष कर रहे हैं। आप जानते हैं कि अब एक युवा विकेटकीपर टीम का नेतृत्व करेगा। उम्मीद है कि चीजें बदलेंगी।

ऋतुराज ने कहा, मैं टीम के साथ रहूंगा। उनका पूरा समर्थन करूंगा। निश्चित रूप से इस टीम को इस स्थिति से बाहर निकालना पसंद करूंगा, लेकिन आप जानते हैं कि कुछ चीजों पर कंट्रोल नहीं होता। जैसा कि मैंने कहा, निश्चित रूप से डगआउट से टीम का समर्थन करने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि हमारा आने वाला सीजन शानदार रहेगा। धन्यवाद।चेन्नई सुपर किंग्स ने 2025 की शुरुआत मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत से की थी। इसके बाद उसे लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। वह अंक तालिका में 9वें नंबर पर है। चेन्नई सुपर किंग्स को छठा मुकाबला शुक्रवार (11 अप्रैल) को कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) से खेलना है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में वह जीत की राह पर लौटना चाहेगी। ऋतुराज गायकवाड़ की जगह चेन्नई सपर किंग्स की प्लेइंग 11 में दिल्ली के वंश बेदी को मौका मिल सकता है।

विराट कोहली के आत्मघाती बनने के 32 सबूत, ये कदम उठाने से पहले अब 2 बार सोचें!

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस विराट कोहली ने आरसीबी को आईपीएल के अपने पूरे 18 सीजन दे दिए, वही अब आत्मघाती हो गए हैं. विराट आरसीबी के लिए खतरा बन रहे हैं. आप सोच रहे होंगे कि ऐसा भला हम क्यों कह रहे हैं. तो आईपीएल में इसके एक नहीं 32 सबूत हैं, जिससे उनके खतरा बनने का पता चलता है? सबसे ताजा-ताजा सबूत तो 10 मार्च को दिल्ली और बेंगलुरु के मैच में ही देखने को मिला. दिल्ली से मैच में जो हुआ वही 32वां सबूत था और उसे देखने के बाद एक बात तो साफ है कि अब कोहली के साथ इस तरह का कदम उठाने से पहले किसी को भी 2 बार सोचना पड़ेगा. अब सवाल है कि वो 32 सबूत हैं क्या? किस चीज से जुड़े हैं? तो उसके तार आईपीएल इतिहास में हुए रन आउट से संबंधित हैं. आईपीएल के इतिहास में अब तक 32 रन आउट ऐसे रहे हैं, जिसमें विराट कोहली शामिल रहे हैं. उन 32 रन आउट का जब पोस्टमार्टम करेंगे तो जो सच बाहर आता है, वो और भी डरावना है, जिससे ये पता चलता है कि विराट कोहली वाकई कितने खतरनाक साबित हो रहे हैं?

8 बार खुद, 24 बार साथी खिलाड़ी को कराया रन आउट

आईपीएल में हमेशा आरसीबी से खेलने वाले विराट कोहली 32 रन आउट में शामिल रहे. इसमें से वो खुद सिर्फ 8 बार ही आउट हुए हैं. इसका मतलब है कि 24 बार उन्होंने अपने पार्टनर को आउट कराया है. 10 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपने आरसीबी के साथी फिल सॉल्ट को भी उन्होंने ही रन आउट कराया था.

दिल्ली के खिलाफ फिल सॉल्ट को कराया रन आउट

फिल सॉल्ट और विराट कोहली आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे थे. बतौर ओपनिंग जोड़ी उनके बीच तेज-तर्रार साझेदारी भी बनी. दोनों ने स्कोर बोर्ड पर 61 रन जोड़ दिए. लगा सब ठीक चल रहा है तभी विराट और सॉल्ट के बीच रनिंग बिटविन विकेट के दौरान कन्फ्यूजन क्रिएट हो गई. नतीजा ये हुआ कि सॉल्ट को डगआउट लौटना पड़ा.

सॉल्ट को रन आउट करा, विराट ने क्या कराया नुकसान?

रन आउट होने के चलते फिल सॉल्ट की तूफानी पारी पर ब्रेक लग गया. उन्होंने 217 से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 17 गेंदों में ही 37 रन जड़े, जिसमें 3 छक्के और 4 चौके शामिल रहे. वहीं विराट भी रन आउट की उस धटना के बाद विकेट पर नहीं टिक सके. 2 ओवर बाद ही वो भी 14 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गए. फिल सॉल्ट के चलते आरसीबी का स्कोर बोर्ड जहां तेजी से बढ़ रहा था. वो उनके रन आउट होने के बाद उसके स्पीड में उतनी ही तेजी से गिरावट आई. नतीजा ये हुआ कि आरसीबी की टीम 20 ओवर में सिर्फ 163 रन ही बना सकी.

चिन्नास्वामी में केएल राहुल ने गाढ़ा बैट

मारा छाती पर हाथ, 9 साल बाद बनाया यह रिकॉर्ड

बेंगलुरू, एजेंसी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केएल राहुल के लिए वीरवार का दिन बेहद शानदार गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबला खेल रही दिल्ली को जीत के लिए 164 रन चाहिए थे लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय उनके 30 रन पर तीन विकेट गिर गए थे। ऐसे समय में केएल राहुल ने अपना बल्ला चलाया और 53 गेंदों पर 93 रन बनाकर 18वें ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी। राहुल जीत के बाद इतना खुश थे कि उन्होंने मैदान पहले बल्ला गाढ़ा तो उसके बाद छाती पर हाथ मारकर अपना जोश दिखाया। राहुल ने इस मैदान पर 9 साल बाद फिफ्टी लगाई है। इसका जोश उनके चेहरे पर साफ देखने को मिल रहा था। राहुल ने इसी के साथ आईपीएल में रन चेज का अपना रिकॉर्ड मजबूत कर लिया है। राहुल ने रन चेज में 25 पारियों में 71 की औसत से 1208 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 148 रही है। वह 12 पचासे लगा चुके हैं जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 नाबाद रहा है। वह उन 56 बल्लेबाजों में से एक है जिन्होंने आईपीएल में सफल रन-चेज में कम से कम 500 रन बनाए हैं। वह डेविड मिलर (103.70) के बाद सबसे बेहतरीन औसत वाले प्लेयर हैं। आरसीबी को उनके घरेलू मैदान पर हराने के बाद राहुल सीधा ही विराट कोहली को टक्कर देते नजर आए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चिन्नास्वामी मेरा घरेलू मैदान है। यहां कैसे खेलना है मुझे अच्छी तरह से पता है।

आईपीएल 2025

एकमात्र कप्तान जिसने 200 के स्ट्राइक रेट से की है अब तक बल्लेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस सीजन में अब तक एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने अभी तक 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और उनका औसत भी 80 से ऊपर है। श्रेयस अय्यर ने चार मैच खेले हैं और 168 रन बनाए हैं। 97 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। अब तक अय्यर के बल्ले से 10 चौके 14 छक्के निकले हैं। पंजाब किंग्स के लिए अय्यर ने दो पारियों में दो हाफ सेंचुरी भी लगाई है। हालांकि, बीते दो मैच में उनका बल्ला नहीं चला है, बावजूद उनकी स्ट्राइक रेट अन्य कप्तानों की तुलना में सबसे ज्यादा है।

वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने 168.75 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पांड्या ने चार मैच की तीन पारियों में 81 रन बनाए। पांड्या के बल्ले से 6 चौके और 5 छक्के निकले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन में अब तक 161.74 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। पाटीदार ने 5 मैच की 5 पारियों में 186 रन बनाए। 17 चौके और 9 छक्के जड़ चुके हैं। रजत के बल्ले से दो हाफ सेंचुरी भी आई है और उन्हें दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। उन्होंने 160.00 की स्ट्राइक रेट से पांच मैच की पांच पारियों में 184 रन बनाए हैं। रहाणे के बल्ले से 17 चौके और 12 छक्के निकले हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने 150.85 की स्ट्राइक रेट के साथ 5 मैच की 5 पारियों में 178 रन बनाए हैं। सैमसन के बल्ले से 20 चौके और 7 छक्के निकले। हालांकि, संजू शुरुआती मैचों में कप्तानी के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी जगह रियान पराग ने कप्तानी की थी। लेकिन, संजू एक बार फिर से टीम की कमान अपने हाथों में ले चुके हैं। फैंस को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में उनकी बल्लेबाजी का दमखम देखने के लिए मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 150.61 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 122 रन बनाए। 14 चौके और 4 छक्के जड़े। गायकवाड़ ने दो पारियों में सीएसके के लिए हाफ सेंचुरी भी लगाई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने 146.53 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की पांच पारियों में 148 रन बनाए। गिल के बल्ले से 16 चौके और 5 छक्के निकले। दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग ऑलराउंडर कप्तान अक्षर पटेल ने 4 मैच की 3 पारियों में 161.11 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अक्षर ने 56 रन बनाए हैं। अक्षर के बल्ले से 7 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के निकले हैं। ऐसे ही सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी मुख्य तौर पर गेंदबाजी करते हैं। बल्लेबाजी में कमिंस ने 155.55 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 चौके और 4 छक्के भी आए। सबसे निचले स्थान पर हैं लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्होंने सिर्फ 59.37 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पंत ने 5 मैच की चार पारियों में महज 19 रन बनाए। पंत के बल्ले से इस सीजन में एकमात्र छक्का ही लगा है।

एक क्लिक पर मिलेगी धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम की लोकेशन, लगेंगे क्यूआर कोड

धर्मशाला, एजेंसी। आईपीएल मैचों के दौरान बाहरी राज्य और अन्य जिलों से आने पर क्रिकेट प्रेमियों और पर्यटकों को एक क्लिक पर ही स्टेडियम की लोकेशन मिलेगी। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आगामी माह में प्रस्तावित आईपीएल मैचों के दौरान बाहरी राज्य और अन्य जिलों से आने पर क्रिकेट प्रेमियों और पर्यटकों को एक क्लिक पर ही स्टेडियम की लोकेशन मिलेगी। पर्यटक साइन बोर्ड में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर क्रिकेट स्टेडियम की लोकेशन जान सकेंगे, ताकि मैचों के दौरान धर्मशाला आने वाले क्रिकेट प्रेमियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो और वह रास्ता न भटकें। वीरवार को धर्मशाला स्टेडियम में उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में आईपीएल मैचों की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और एचपीसीए के बीच बैठक का आयोजन किया गया।

इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पुख्ता कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के संदर्भ में कानून, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत, शहर की साफ-सफाई और अग्निशमन सेवाओं इत्यादि सहित अन्य संबंधित तैयारियों का जायजा लिया और इस बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को मैच के आयोजन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि आयोजन से पहले धर्मशाला और इसके आसपास के क्षेत्रों की सड़कों और लाइटों की व्यवस्था चकाचक होगी। पेयजल, पार्किंग के लिए भी प्लान तैयार किया गया है। वहीं, मैच के दौरान वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थलों की नंबरिंग करके दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए निकासी गेटों से पार्किंग स्थलों तक दिशा सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिला के मुख्य सड़कों पर क्यूआर कोर्ड वाले साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके अलावा नगर निगम धर्मशाला क्षेत्र में लगी एलईडी पर स्टेडियम की लोकेशन को क्यूआर कोर्ड प्रदर्शित किया जाएगा। इसे स्कैन कर पर्यटक सही लोकेशन हासिल कर सकेंगे। इसके अलावा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को स्टेडियम में अग्नि संबंधी आपातकालीन प्रबंधों का निरीक्षण करने और आवश्यक अग्निशमन सेवाएं सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसएसपी शालिनी अग्निहोत्री ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्लान, पार्किंग के प्लान को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार, उपाध्यक्ष अमिताभ शर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम, नगर निगम आयुक्त जफर इकबाल, एडीसी विनय कुमार सिंह व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

क्या बिपाशा फिल्म 'रेस 4 का हिस्सा बनेंगी? सोशल मीडिया पोस्ट से मिला हिंट

बिपाशा बसु फिल्म 'रेस(2008)' में सैफ अली खान के अपोजिट नजर आईं। हाल ही में 'रेस 4' को लेकर काफी चर्चा रही। इसी बीच बिपाशा ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की। इस पोस्ट के जरिए आखिर बिपाशा क्या बताना चाहती हैं? क्या वह भी फिल्म 'रेस 4' का हिस्सा हैं?

'रेस सांसों की' गाने को शेयर किया

बिपाशा बसु ने हाल ही में इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में फिल्म 'रेस' का गाना 'रेस सांसों कीज' को साझा किया। इस गाने में वह डांस कर रही हैं, साथ ही कैटरीना कैफ भी इसमें नजर आ रही हैं। इस गाने को बिपाशा एक बार फिर से क्यों याद कर रही हैं? इसको लेकर बिपाशा ने कोई भी कैप्शन या मैसेज नहीं लिखा है। ऐसा लगता है कि वह फिल्म 'रेस 4' के मेकर्स को हिंट देना चाहती हैं। क्या एक्ट्रेस दोबारा से इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हैं?

हरिहरन ने सिंगर बनने के लिए किया प्रोत्साहित, शाहरुख खान से मिला जिंदगी के लिए बड़ा सबक

शिल्पा राव अब तक बॉलीवुड के नामी कलाकारों की फिल्मों में गाने गा चुकी हैं, कई अभिनेत्रियों की आवाज बन चुकी हैं। आज सिंगर शिल्पा राव का जन्मदिन (11 अप्रैल 1984) है। इस मौके पर सिंगर की करियर जर्नी पर एक नजर।

शिल्पा राव का जन्म जमशेदपुर में हुआ, तेलुगू भाषी परिवार में जन्मी शिल्पा को बचपन से ही संगीत की शिक्षा मिली। पिता एस वेंकेट राव ने ही शुरुआती दौर में संगीत सिखाया। शिल्पा का जन्म का नाम अपेक्षा राव था, जिसे उन्होंने बदल दिया। शिल्पा नाम उन्हें पसंद आया क्योंकि यह कला से जुड़ाव महसूस करवाता था। जानिए, कैसे जमशेदपुर से निकलकर शिल्पा राव ने बॉलीवुड में बतौर सिंगर एक अलग जगह हासिल की।

शौक बन गया करियर

पिता से संगीत की शिक्षा लेने के बाद शिल्पा राव को गायक हरिहरन से म्यूजिक की ट्रेनिंग मिली। फिल्मफेयर को दिए गए एक इंटरव्यू में शिल्पा राव ने कहा, 'जब मैं हरिहरन जी से संगीत सीख रही थी तो उन्होंने ही सिंगर बनने के लिए मेरे अंदर रुचि पैदा की। इसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।' शिल्पा को संगीत के क्षेत्र में कई लोगों से प्रेरणा मिलती है, जिसमें मेहंदी हसन, पंडित निखिल बनर्जी, उस्ताद सुल्तान खान, बेगम अख्तर और फरीदा खानुम जैसी संगीत की शख्सियत शामिल हैं। इन लोगों ने शिल्पा की गायिका को बहुत प्रभावित किया है।

जब राजकुमार ने निभाया 324 साल बूढ़े व्यक्ति का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की आगामी फिल्म भूल चूक माफ का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इसके ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने फिल्म निर्माता दिनेश विजन के साथ बनाई अपनी पहली फिल्म को याद किया। साथ ही बताया कि ऐसा जोड़ियां स्वर्ग में बनती हैं। आइए जानते हैं आखिर दिनेश विजन के साथ कौन सी है उनकी पहली फिल्म।

हाल ही में राजकुमार राव की कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ का ट्रेलर लॉन्च किया गया। बहुत जल्द अभिनेता फिल्म में नजर आएंगे। इसी मौके पर राजकुमार राव ने दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म्स के साथ अपना पहला अनुभव साझा किया। बातचीत में बताया कि उनके उस रोल के बारे में लोगों ने कहा कि ये तो कोई भी कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने दिनेश के साथ अपने अटूट रिश्ते के बारे में भी बात किया।

किस फिल्म का किया जिक्र?

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने फिल्म निर्माता दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म्स के साथ अपने पहले अनुभवों को साझा किया। अभिनेता ने कहा, कुछ जोड़िया स्वर्ग में बनती हैं। उनमें से दीनू और मैं एक हैं। हमारा रिश्ता तब शुरू हुआ, जब मैंने साल 2017 में राब्ता फिल्म में एक छोटा सा पार्ट किया था, जिसे दीनू ने निर्देशित किया था। इसके आगे उन्होंने कहा कि उस किरदार के बारे में लोगों ने कहा कि यह तो कोई भी कर सकता था, क्योंकि उस भूमिका में उन्हें कोई पहचान नहीं सकता था।

इस रोल ने सबको डरा दिया था

राब्ता फिल्म में राजकुमार राव ने 324 साल के एक बूढ़े इंसान का किरदार निभाया था। उन्हें प्रोस्थेटिक मेकअप के जरिए तैयार किया गया था, जिसमें अभिनेता को कोई पहचान नहीं सकता था। इसी फिल्म के बारे में राजकुमार राव कहते हैं कि दिनेश एकमात्र निर्माता हैं, जिनकी वो सारी छोटी और बड़ी फिल्में जानते हैं और उसे ईमानदारी से पंसद भी करते हैं।

मानुषी छिल्लर से सीखिए कैसे चुनें ऐसे आउटफिट्स जो हर नज़र को भा जाएं

अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी पेजेंट्स से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करते हुए, मानुषी छिल्लर ने बार-बार साबित किया है कि उनका फैशन सेंस भी उनकी उपलब्धियों जितना ही प्रभावशाली है। पूर्व मिस वर्ल्ड अब एक ऐसी फैशन फोर्स बन चुकी हैं, जिन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। पारंपरिक भारतीय परिधानों से लेकर आधुनिक इंटरनेशनल ट्रेंड्स तक, मानुषी हर लुक में एक खास एलिगेंस और स्टाइल लेकर आती हैं। उनके आउटफिट्स में संतुलन है—नवाचार, सुरुचिपूर्ण डिज़ाइन और एक व्यक्तिगत टच जो हर फैशनप्रेमी को लुभाता है। मानुषी का सोशल मीडिया इस बात का प्रमाण है कि मिस वर्ल्ड के पास हर छोटी-बड़ी बात को बारीकी से समझने की क्षमता है, जब बात ऐसे आउटफिट चुनने की आती है जो उनके व्यक्तित्व को निखारें और उन्हें निखारें। मानुषी छिल्लर की पसंद यहां दी गई है, कुछ ऐसे आउटफिट्स, जिन्हें देखकर हमारी तो आँखें ही ठहर गईं—और जिन्हें हम बिना झिझक अपना बना लें। मानुषी और उनके पावर सूट भले ही सोशल मीडिया पर छाए हों, लेकिन उनका ब्राइट येलो केप क्रेप ब्लेज़र और पैंट सूट तो बाकी सब पर भारी है!

मानुषी ने टाफेटा से बनी सफ़ेद रंग की लंबी ड्रेस पहनी थी, जिस पर खूबसूरत काले ऑर्गेना फूल लगे थे, और हमें ऐसा ब्रंच-परफेक्ट ड्रेस से इतना प्यार पहले नहीं हुआ, जो वाकई बहुत लंबे समय से इस ड्रेस से ज़्यादा खूबसूरत नहीं देखा! मानुषी की साड़ी गेम भी जबरदस्त है, और ??मनीष मल्होत्रा की इस आइवरी साड़ी, जिसे उन्होंने नाजुक चेन क्रिस्टल एम्बेलिशमेंट वाली मैचिंग स्वीटहार्ट नेकलाइन ब्रालेट ब्लाउज़ के साथ सजाया है, इसका सबूत है! बॉलीवुड में मानुषी द्वारा चुने गए कॉकटेल गाउन शायद सबसे बेहतरीन हैं। और जब उन्होंने राहुल मिश्रा का स्ट्रैपलेस, फिगर-हगिंग नंबर चुना, जिसमें एक ड्रीमी फ्लोइंग नेट ट्रेन थी, तो उन्होंने अपने फैशनिस्टा टाइटल को फिर से परिभाषित किया! गौरी और नैनिका के इस ड्रॉप-वेस्ट प्रिंटेड गाउन के साथ पॉपी-प्रिंटेड वॉल्यूमिनस स्कर्ट ने मानुषी को ऐसा दिखाया जैसे वह अपनी ही खूबसूरती में डूबी हुई हों। मानुषी ने अपने आउटफिट को कम से कम एक्सेसरीज रखकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। जैसे-जैसे मानुषी छिल्लर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपना जगह बनाती जा रही हैं, वैसे - वैसे उनके फैशन ग्राफ नई ऊँचाइयों को छू रहा है जो सार्वजनिक पहचान बनाने में व्यक्तिगत शैली की शक्ति को समझती है। प्रत्येक सावधानी से तैयार किए गए लुक के साथ, वह न केवल एक ब्यूटी क्वीन या अभिनेत्री के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करती है, बल्कि एक वास्तविक स्टाइल आइकन के रूप में भी अपनी स्थिति को मजबूत करती है, जिसकी फैशन संवेदनशीलता आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करेगी। सेलिब्रिटी फैशन की लगातार विकसित होती दुनिया में, मानुषी छिल्लर ने साबित कर दिया है कि वह न केवल आगे बढ़ रही हैं - बल्कि उन्हें सेट भी कर रही हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को नहीं मिलते समान अवसरः ईशा मालवीय

टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई है कि कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। साल 2021 में रिलीज हुए टेलीविजन शो उड़ारियां से एक्टिंग की शुरुआत करने वालीं ईशा ने कहा, एक चीज जो मुझे हमेशा हैरान करती है और अब भी करती है, वह यह है कि कितने प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। मैं यह नहीं कह रही कि भाई-भतीजावाद पूरी तरह से गलत है, लेकिन मुझे लगता है कि बाहरी लोगों को कम से कम अपनी काबिलियत साबित करने के लिए एक निष्पक्ष मौका तो मिलना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि इंडस्ट्री को असली प्रतिभा पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें स्टार किड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने दें और दर्शकों को फैसला करने दें कि कौन वास्तव में चमकने का हकदार है। इंडस्ट्री को किसी की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना असली प्रतिभा पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और बॉलीवुड का भविष्य योग्यता से तय होना चाहिए। उड़ारियां में जैस्मिन का किरदार निभाने के बाद ईशा ने साल 2023 में विवादित रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें संस्करण में हिस्सा लिया था।

स्विमिंग पूल किनारे

मोनालिसा का हॉट अंदाज़, डार्क ब्लू बिकिनी में उड़ाए फैंस के होश

भोजपुरी फिल्मों की सुपरस्टार और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उनकी लेटेस्ट फोटोज़ में मोनालिसा डार्क ब्लू बिकिनी में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। फैंस उनकी अदाओं पर फिदा हैं और कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी की बौछार कर रहे हैं। फोटोज़ में मोनालिसा ने फ्लोरल प्रिंटेड डार्क ब्लू बिकिनी पहन रखी है। साथ में उन्होंने पैरों पर स्टाइलिश स्कार्फ और सिर पर हैट पहनकर अपने लुक में एक्स्ट्रा चार्म जोड़ा है। कैमरे के सामने दिए गए पोज़ उनके आत्मविश्वास और स्टाइल स्टेटमेंट को बखूबी बयां कर रहे हैं। मोनालिसा की ये फोटोज़ आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक फैन ने लिखा, वेरी हॉट, तो दूसरे ने कमेंट किया, सुपरब लुक! फोटोज़ में वह कभी स्माइल करती नज़र आ रही हैं, तो कभी साइड पोज़ से कमर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक तस्वीर में वह स्विमिंग पूल के किनारे लेटी नज़र आ रही हैं, जिसमें उनका हुस्न और आत्मविश्वास दोनों झलक रहा है। मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन रही मोनालिसा ने टीवी शो बिग बॉस से घर-घर में पहचान बनाई। इसके बाद नज़र जैसे शो में डायन का किरदार निभाकर उन्होंने एक नई पहचान कायम की। ग्लैमरस लुक्स से फैंस को दीवाना बनाने वाली मोनालिसा का ये बिकिनी लुक फिर साबित करता है कि वे स्टाइल और बोल्डनेस के मामले में किसी से कम नहीं हैं।

पुरी जगन्नाथ की नई फिल्म में तब्बू की एंट्री, संग नजर आएंगे विजय सेतुपति

पुरी जगन्नाथ की अपकमिंग फिल्म में अभिनेत्री तब्बू भी शामिल हो चुकी हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। तब्बू फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। चुनिंदा भूमिकाओं के साथ शानदार अभिनय के लिए लोकप्रिय तब्बू अभिनेता विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अनटाइटल्ड पैन-इंडिया फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की घोषणा उगादी त्योहार के शुभ अवसर पर की गई थी। पुरी ने स्क्रिप्ट को तैयार किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि फिल्म का हर किरदार महत्व रखता है। तब्बू-विजय सेतुपति स्टारर फिल्म जून में रिलीज होने वाली है। यह तेलुगू, हिंदी के साथ तमिल, कन्नड़, मलयालम समेत अन्य भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म निर्माता जल्द ही अन्य कलाकारों और क्रू की घोषणा करेंगे। फिल्म की कहानी में मनोरंजन बढ़ाने में प्रत्येक पात्र अपना सार्थक योगदान देता नजर आएगा। फिल्म का निर्माण पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत किया है। विजय सेतुपति के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली रिलीज 'विदुथलाई पार्ट 2' थी। साल 2024 में विजय ने तीन फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल की शुरुआत श्रीराम राघवन की 'मेरी क्रिसमस' से की, जिसे हिंदी में भी शूट किया गया था और जिसमें उनके साथ मुख्य भूमिका में कैटरीना कैफ थीं। फिल्म क्रिसमस की पूर्व संध्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दो लोगों की दुनिया में बदलाव लाती है। जब दो अजनबी मिलते हैं, तो उनके बीच रोमांस आता है और फिल्म की कहानी एक अप्रत्याशित मोड़ लेती है। निथिलन स्वामीनाथन के निर्देशन में बनी उनकी 50वीं फिल्म महाराजा भी पिछले साल रिलीज हुई थी जिसमें उनके को-स्टार अनुराग कश्यप हैं। यह फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

साभार एजेंसी

'छावा' की पायरेसी मामले में मुंबई पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हिंदी फिल्म 'छावा' की पायरेसी के मामले में मुंबई की साउथ साइबर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में पुलिस ने एक शख्स को पुणे से गिरफ्तार किया गया है। मुंबई के साउथ साइबर पुलिस स्टेशन को फिल्म 'छावा' की पायरेसी के खिलाफ चल रही जांच में बड़ी कामयाबी मिली है। इस मामले में एक 26 साल के शख्स को पुणे से गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म को कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर गैरकानूनी तरीके से फैलाया गया था, जिससे निर्माताओं को भारी नुकसान हुआ था।

पायरेसी से हुआ निर्माताओं को नुकसान

विक्की कौशल स्टारर 'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन जल्द ही यह पायरेसी की चपेट में आ गई। इसके बाद अगस्त्य एंटरटेनमेंट कंपनी के सीईओ रजत राहुल हक्सर ने साइबर पुलिस में इसको लेकर शिकायत दर्ज की। उन्होंने कहा कि 14 फरवरी से 20 मार्च 2025 के बीच व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, यूट्यूब और गूगल जैसे प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म के 1818 अवैध लिंक फैलाए गए। इन लिंक्स ने कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करते हुए फिल्म की कमाई को बड़ा नुकसान पहुंचाया।